हिंदी
सुगमभारती
छठी कक्षा

भारत का संविधान

भाग 4 क

मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य– भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करें;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखें;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध है;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले;

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे ।

हिंदी सुगमभारती अध्ययन निष्पत्ति : छठी कक्षा

सीखने–सिखाने की प्रक्रिया	अध्ययन निष्पत्ति
सभी विद्यार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम विद्यार्थियों सहित) को व्यक्तिगत, सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए, ताकि उन्हें – • हिंदी भाषा में बातचीत तथा चर्चा करने के अवसर हों । • प्रयोग की जाने वाली भाषा की बारीकियों पर चर्चा के अवसर हों । • सक्रिय और जागरूक बनाने वाली रचनाएँ, समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, फिल्म और ऑडियो-वीडियो सामग्री को देखने, सुनने, पढ़ने, लिखने और चर्चा करने के अवसर उपलब्ध हों । • समूह में कार्य करने और एक-दूसरे के कार्यों पर चर्चा करने, राय लेने-देने, प्रश्न करने की स्वतंत्रता हो । • हिंदी के साथ-साथ अपनी भाषा की सामग्री पढ़ने-लिखने की सुविधा (ब्रेल/सांकेतिक रूप में भी) और उन पर बातचीत की आजादी हो । • अपने परिवेश, समय और समाज से संबंधित रचनाओं को पढ़ने और उन पर चर्चा करने के अवसर हों । • हिंदी भाषा गढ़ते हुए लिखने संबंधी गतिविधियाँ आयोजित हों, जैसे – शब्द खेल । • हिंदी भाषा में संदर्भ के अनुसार भाषा विश्लेषण (व्याकरण, वाक्य संरचना, विराम चिह्न आदि) करने के अवसर हों । • कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को विकसित करने वाली गतिविधियों, जैसे – अभिनय (भूमिका अभिनय), कविता, पाठ, सृजनात्मक लेखन, विभिन्न स्थितियों में संवाद आदि के आयोजन हों और उनकी तैयारी से संबंधित स्क्रिप्ट लेखन और वृत्तांत लेखन के अवसर हों । • साहित्य और साहित्यिक तत्त्वों की समझ बढ़ाने के अवसर हों । • शब्दकोश का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहन एवं सुलभ परिवेश हो । • सांस्कृतिक महत्त्व के अवसरों पर अवसरानुकूल लोकगीतों का संग्रह करने, उनकी गीतमय प्रस्तुति देने के अवसर हों ।	**विद्यार्थी –** 06.LB.01 विभिन्न प्रकार की ध्वनियों, सामाजिक संस्थाओं, परिसर एवं सामाजिक घटकों के संबंध में जानकारी तथा अनुभव को प्राप्त करने हेतु वाचन करते हैं तथा सांकेतिक चिह्नों का अपने ढंग से प्रयोग कर उसे दैनिक जीवन से जोड़कर प्रस्तुत करते हैं । 06.LB.02 गद्य, पद्य तथा अन्य पठित/अपठित सामग्री के आशय का आकलन करते हुए तथा गतिविधियों/घटनाओं पर बेझिझक बात करते हुए प्रश्न निर्मिति कर प्रश्नों के सटीक उत्तर अपने शब्दों में लिखते हैं । 06.LB.03 किसी देखी-सुनी रचनाओं, घटनाओं, प्रसंगों, मुख्य समाचार एवं प्रासंगिक कथाओं के प्रत्येक प्रसंग को उचित क्रम देते हुए अपने शब्दों में प्रस्तुत करते हैं, उनसे संबंधित संवादों में रुचि लेते हैं तथा वाचन करते हैं। 06.LB.04 संचार माध्यमों के कार्यक्रमों और विज्ञापनों को रुचिपूर्वक देखते, सुनते तथा अपने शब्दों में व्यक्त करते हैं । 06.LB.05 प्रासंगिक कथाएँ/विभिन्न अवसरों, संदर्भों, भाषणों, बालसभा की चर्चाओं, समारोह के वर्णनों, जानकारियों आदि को एकाग्रता से समझते हुए सुनते हैं, सुनाते हैं तथा अपने ढंग से बताते हैं । 06.LB.06 हिंदीतर विविध विषयों के उपक्रमों एवं प्रकल्पों पर सहपाठियों से चर्चा करते हुए विस्तृत जानकारी देते हैं । 06.LB.07 भाषा की बारीकियों/व्यवस्था/ढंग पर ध्यान देते हुए सार्थक वाक्य बताते हैं तथा उचित लय-ताल, आरोह-अवरोह, हावभाव के साथ वाचन करते हैं । 06.LB.08 अपनी चर्चा में स्वर, व्यंजन, विशेष वर्ण, पंचमाक्षर, संयुक्ताक्षर से युक्त शब्दों एवं वाक्यों का मानक उच्चारण करते हुए तथा गद्य एवं पद्य परिच्छेदों में आए शब्दों को उपयुक्त उतार-चढ़ाव और सही गति के साथ पढ़ते हुए अपने शब्द भंडार में वृद्धि करते हैं । 06.LB.09 हिंदी भाषा में विविध प्रकार की रचनाओं, देशभक्तिपरक गीत, दोहे, चुटकुले आदि रुचि लेते हुए ध्यानपूर्वक सुनते हैं, आनंदपूर्वक दोहराते तथा पढ़ते हैं । 06.LB.10 दैनिक लेखन, भाषण-संभाषण में उपयोग करने हेतु अब तक पढ़े हुए नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उनके अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते हैं तथा नए शब्दों का लघुशब्दकोश लिखित रूप में तैयार करते हैं । 06.LB.11 सुनी, पढ़ी सामग्री तथा दूसरों के द्वारा अभिव्यक्त अनुभव से संबंधित उचित मुद्दों को अधोरेखांकित करते हुए उनका संकलन करते हुए चर्चा करते हैं । 06.LB.12 विविध विषयों की गद्य-पद्य, कहानी, निबंध, घरेलू पत्र से संबंधित संवादों का रुचिपूर्वक वाचन करते हैं तथा उनका आकलन करते हुए एकाग्रता से उपयुक्त विरामचिह्नों का उपयोग करते हुए सुपाठ्य- सुडौल, अनुलेखन, सुलेखन, शुद्ध लेखन करते हैं । 06.LB.13 अलग-अलग कलाओं, जीवनोपयोगी वस्तुओं की प्रदर्शनी एवं यात्रा वर्णन समझते हुए वाचन करते हैं तथा उनको अपने ढंग से लिखते हैं ।

स्वीकृति क्रमांक : मराशैसंप्रप/अविवि/शिप्र २०१५-१६/१६७३ दिनांक ६/४/२०१६

हिंदी

सुगमभारती

छठी कक्षा

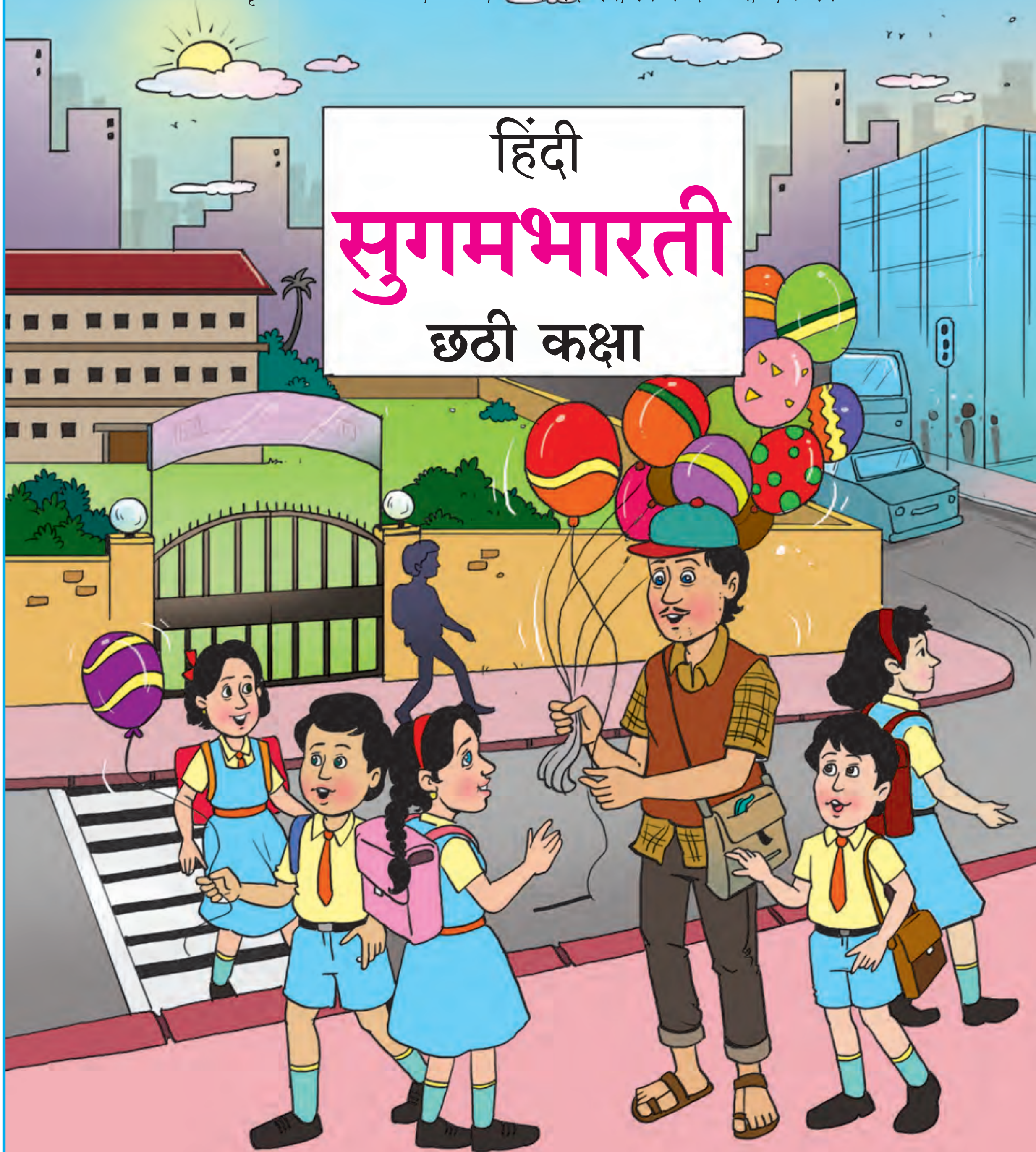

मेरा नाम ______________ है ।

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे

आपके स्मार्टफोन में 'DIKSHA App' द्वारा, पुस्तक के प्रथम पृष्ठ पर Q.R.Code के माध्यम से डिजिटल पाठ्यपुस्तक एवं प्रत्येक पाठ में अंतर्निहित Q.R.Code में अध्ययन अध्यापन के लिए पाठ से संबंधित उपयुक्त दृक-श्राव्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी ।

प्रथमावृत्ति : २०१६
पाँचवाँ पुनर्मुद्रण : २०२१

© महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे – ४११००४
इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है। इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

हिंदी भाषा समिति

डॉ.हेमचंद्र वैद्य–अध्यक्ष
डॉ.छाया पाटील–सदस्य
प्रा.मैनोद्दीन मुल्ला–सदस्य
डॉ.दयानंद तिवारी–सदस्य
श्री संतोष धोत्रे–सदस्य
डॉ.सुनिल कुलकर्णी–सदस्य
श्रीमती सीमा कांबळे–सदस्य
डॉ.अलका पोतदार–सदस्य–सचिव

हिंदी भाषा अभ्यासगट

डॉ.वर्षा पुनवटकर
सौ. वृंदा कुलकर्णी
श्रीमती मीना एस. अग्रवाल
श्री सुधाकर गावंडे
श्रीमती माया कोथळीकर
डॉ.आशा वी. मिश्रा
श्री रामहित यादव
श्री प्रकाश बोकील
श्री रामदास काटे
श्रीमती भारती श्रीवास्तव
श्रीमती पूर्णिमा पांडेय
डॉ.शैला चव्हाण
श्रीमती शारदा बियानी
श्री एन. आर. जेवे
श्रीमती गीता जोशी
श्रीमती अर्चना भुसकुटे
श्रीमती रत्ना चौधरी

प्रकाशक :
श्री विवेक उत्तम गोसावी
नियंत्रक,
पाठ्यपुस्तक निर्मिती मंडळ,
प्रभादेवी, मुंबई–२५

संयोजन :
डॉ.अलका पोतदार, विशेषाधिकारी हिंदी भाषा, पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे
सौ. संध्या विनय उपासनी, विषय सहायक हिंदी भाषा, पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

मुखपृष्ठ : लीना माणकीकर
चित्रांकन : राजेश लवळेकर, मयुरा डफळ, महेश किरडवकर

निर्मिति :
श्री सच्चितानंद आफळे, मुख्य निर्मिति अधिकारी
श्री संदीप आजगांवकर, निर्मिति अधिकारी

अक्षरांकन : भाषा विभाग,पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे
कागज : ७० जीएसएम, क्रीमवोव
मुद्रणादेश : N/PB/2021-22/QTY.
मुद्रक : M/s

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को,

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता

और अखंडता सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) **को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

राष्ट्रगीत

जनगणमन – अधिनायक जय हे
भारत – भाग्यविधाता ।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड, उत्कल, बंग,
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधितरंग,
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे,
गाहे तव जयगाथा,
जनगण मंगलदायक जय हे,
भारत – भाग्यविधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ।।

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई–बहन हैं ।

मुझे अपने देश से प्यार है । अपने देश की समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं पर मुझे गर्व है ।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता मुझे प्राप्त हो ।

मैं अपने माता–पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी ।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा रखूँगा/रखूँगी । उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है ।

प्रस्तावना

बच्चों का 'नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षाधिकार अधिनियम २००९ और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम प्रारूप-२००५' को दृष्टिगत रखते हुए राज्य की 'प्राथमिक शिक्षा पाठ्यचर्या-२०१२' तैयार की गई । इस पाठ्यचर्या पर आधारित हिंदी द्‌वितीय भाषा (संयुक्त) 'सुगमभारती' की पाठ्यपुस्तक, मंडळ प्रकाशित कर रहा है । छठी कक्षा की यह पुस्तक आपके हाथों में सौंपते हुए हमें विशेष आनंद हो रहा है ।

हिंदीतर विद्‌यालयों में छठी कक्षा हिंदी शिक्षा का द्‌वितीय सोपान है । छठी कक्षा के विद्‌यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया सहज-सरल बनाने के लिए इस बात का ध्यान रखा गया है कि यह पुस्तक चित्ताकर्षक, चित्रमय, कृतिप्रधान और बालस्नेही हो । प्राथमिक शिक्षा के विभिन्न चरणों में विद्‌यार्थी निश्चित रूप से किन क्षमताओं को प्राप्त करे; यह अध्ययन-अध्यापन करते समय स्पष्ट होना चाहिए । इसके लिए प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक के प्रारंभ में हिंदी भाषा विषय की अपेक्षित क्षमताओं का पृष्ठ दिया गया है । इन क्षमताओं का अनुसरण करते हुए पाठ्यपुस्तक में समाविष्ट पाठ्यांशों की नाविन्यपूर्ण प्रस्तुति की गई है ।

विद्‌यार्थियों की अभिरुचि को ध्यान में रखकर हिंदी भाषा शिक्षा मनोरंजक एवं आनंददायी बनाने के लिए योग्य बालगीत, कविता, चित्रकथा और रंगीन चित्रों का समावेश किया गया है । भाषाई दृष्टि से पाठ्यपुस्तक और अन्य विषयों के बीच सहसंबंध स्थापित करने का प्रयत्न किया गया है । इन घटकों के अध्यापन के समय विद्‌यार्थियों के लिए अध्ययन-अनुभव के नियोजन में शालाबाह्य जगत एवं दैनिक व्यवहार से जुड़ी बातों को जोड़ने का प्रयास किया गया है । व्याकरण को भाषा अध्ययन के रूप में दिया गया है ।

पाठ्यपुस्तक को सहजता से कठिन की ओर तथा ज्ञात से अज्ञात की ओर अत्यंत सरलता पूर्वक ले जाने का पूर्ण प्रयास किया गया है । शिक्षक एवं अभिभावकों के मार्गदर्शन के लिए सूचनाएँ 'दो शब्द' तथा प्रत्येक पृष्ठ पर 'अध्यापन संकेत' के अंतर्गत दी गई हैं । यह अपेक्षा की गई है कि शिक्षक तथा अभिभावक इन सूचनाओं के अनुरूप विद्‌यार्थियों से कृतियाँ करवाकर उन्हें योग्य शैली में अग्रसर होने तथा शिक्षा ग्रहण करने में सहायक सिद्‌ध होंगे । 'दो शब्द' तथा 'अध्यापन संकेत' की ये सूचनाएँ अध्ययन-अध्यापन की प्रकिया में निश्चित उपयोगी होंगी ।

हिंदी भाषा समिति, भाषा अभ्यासगट और चित्रकारों के निष्ठापूर्ण परिश्रम से यह पुस्तक तैयार की गई है । पुस्तक को दोषरहित एवं स्तरीय बनाने के लिए राज्य के विविध भागों से आमंत्रित शिक्षकों, विशेषज्ञों द्‌वारा पुस्तक का समीक्षण कराया गया है । समीक्षकों की सूचना और अभिप्रायों को दृष्टि में रखकर हिंदी भाषा समिति ने पुस्तक को अंतिम रूप दिया है । 'मंडळ' हिंदी भाषा समिति, अभ्यासगट, समीक्षकों, चित्रकारों के प्रति हृदय से आभारी है । आशा है कि विद्‌यार्थी, शिक्षक, अभिभावक सभी इस पुस्तक का स्वागत करेंगे ।

(डॉ. सुनिल मगर)
संचालक
महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ पुणे-०४

पुणे
दिनांक :- ९ मई २०१६, अक्षयतृतीया
भारतीय सौर : १९ वैशाख, १९३८

✻ अनुक्रमणिका ✻

पहली इकाई

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
✻	मेला	१
१.	सैर	२,३
२.	बाली यह धान की	४-६
३.	अपनी प्रकृति	७-९
४.	(अ) आओ, आयु बताना सीखो	१०
	(ब) महाराष्ट्र की बेटी	
५.	एक चपाती	११
६.	सीख	१२-१४
७.	मुन्नी रानी	१५-१७
✻	स्वयं अध्ययन -१	१८
✻	पुनरावर्तन -१	१९

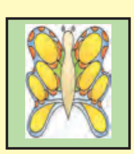

दूसरी इकाई

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
१.	उपयोग हमारे	२०,२१
२.	एक किरन	२२-२४
३.	स्वतंत्रता	२५-२७
४.	(अ) क्या तुम जानते हो ?	२८
	(ब) पहेलियाँ	
५.	जोकर	२९-३०
६.	उत्तम शिक्षा	३१-३३
७.	करना है निर्माण	३४-३६
✻	स्वयं अध्ययन -२	३७
✻	पुनरावर्तन - २	३८

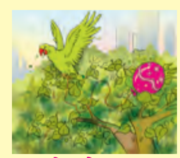

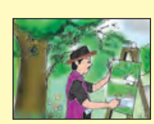

● पहचानो और बताओ :

❋ मेला

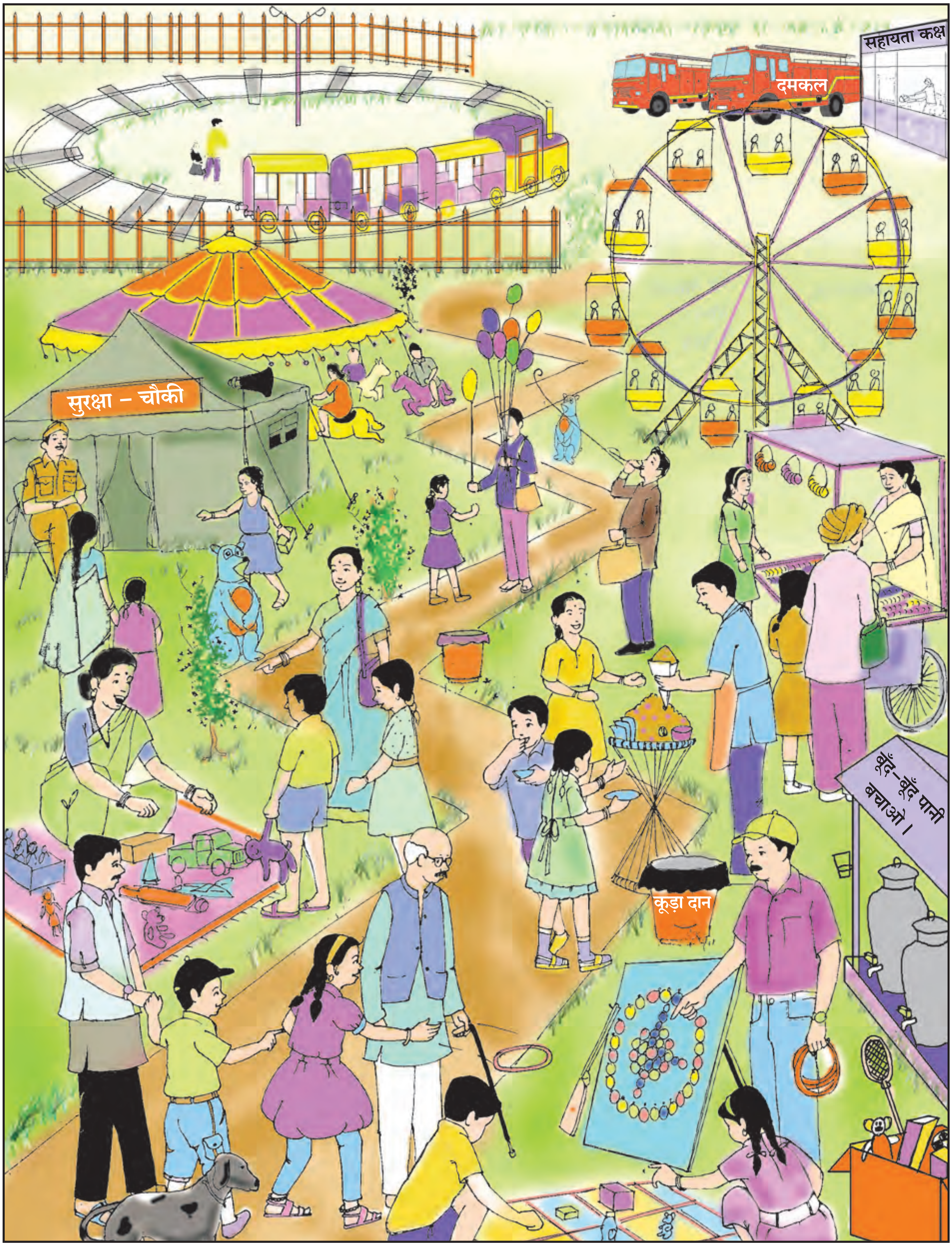

❑ **अध्यापन संकेत** : विद्‌यार्थियों से चित्रों का निरीक्षण कराकर प्रश्न पूछें । उनसे मेले का पूर्वानुभव कहलवाएँ तथा दिए गए वाक्य को समझाएँ । परिचित फेरीवाला, सब्जीवाली आदि व्यवसायियों के सुख–दुख को समझकर उनसे बातचीत करने के लिए प्रेरित करें ।

● **देखो, समझो और बताओ :**

१. सैर

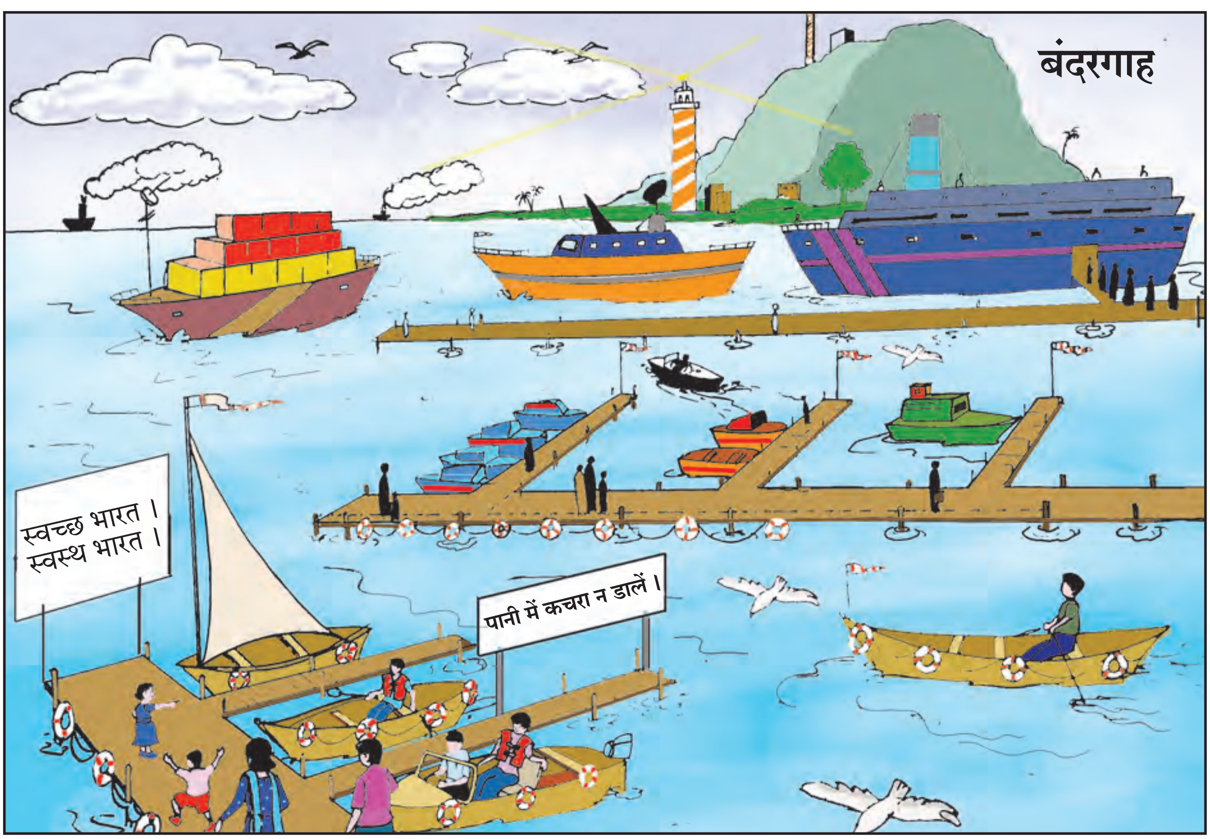

❑ चित्रों में क्या-क्या दिखाई दे रहा है, उनपर चर्चा करें । विद्‌यार्थियों से अपनी यात्रा का कोई प्रसंग सुनाने के लिए कहें । उनसे आवागमन के साधनों का जल, थल, वायु मार्ग के अनुसार वर्गीकरण कराकर चित्रों सहित विस्तृत जानकारी का संग्रह कराएँ ।

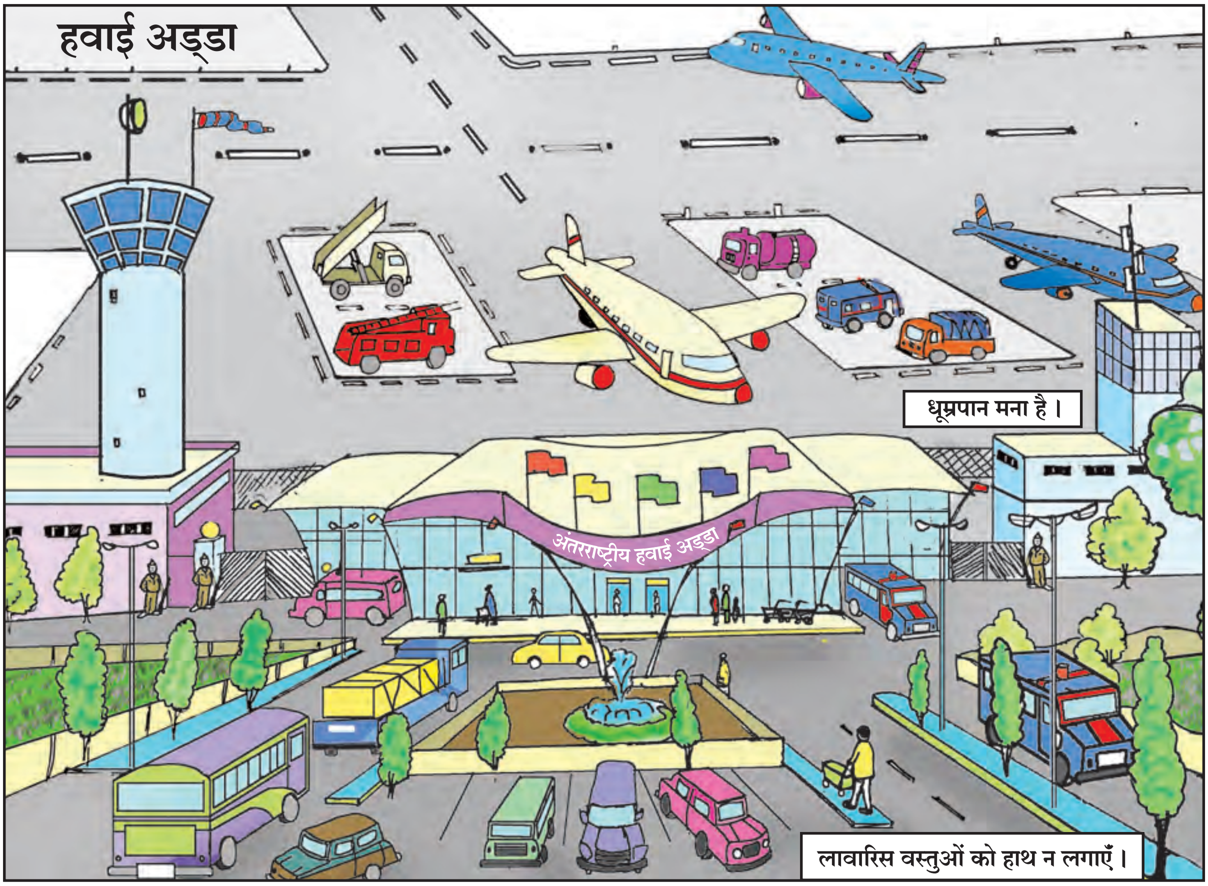

KNSPK4

❑ विद्‌यार्थियों से आवागमन के साधनों का महत्त्व कहलवाएँ । दिए गए वाक्यों को समझाकर उनसे इसी प्रकार के अन्य वाक्यों का संग्रह कराएँ । सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता पर उनसे चर्चा करें । यात्रा में महिलाओं एवं वृद्‌धों की सहायता के लिए प्रेरित करें ।

● सुनो और गाओ :

२. बाली यह धान की

– डॉ.हनुमंत नायडू

जन्म : ७ अप्रैल १९३३, **मृत्यु :** २६ फरवरी १९९८ **रचनाएँ :** जलता हुआ सफर, मेरी गजल, मशाल, नीला अंबर साथी मेरा आदि...
परिचय : आप गजलकार के रूप में प्रसिद्ध हैं ।

प्रस्तुत कविता में खेती का महत्त्व और किसान के श्रम को अनमोल बताया गया है ।

स्वयं अध्ययन

(१) नीचे दिए गए चित्रों की सहायता से प्राकृतिक सुंदरता दर्शाने वाला एक चित्र बनाकर उसमें रंग भरो ।
(२) अपने चित्र के बारे में बोलो ।

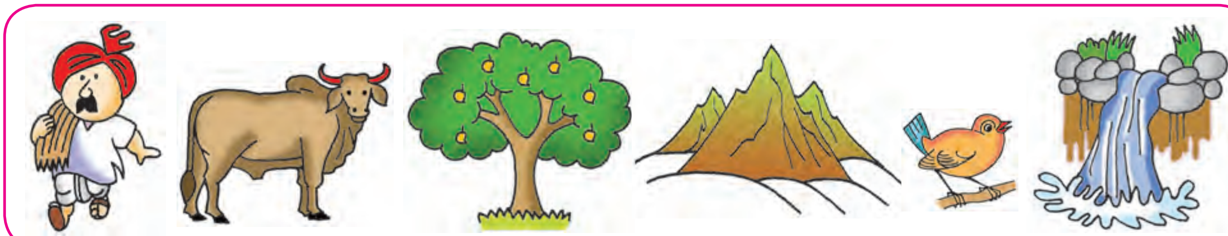

खेतों में झूम रही ,
बाली यह धान की ।
झमक-झमक चलती,
ज्यों बेटी किसान की ।।

बूँदों ने प्यार दिया,
बरखा ने पाला है ।
चंदा ने रूप दिया,
सूरज रखवाला है ।।

छाया है मंडप-सी,
नीले वितान की ।
खेतों में झूम रही,
बाली यह धान की ।।

❑ उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता पाठ करें। विद्‍यार्थियों से व्यक्तिगत तथा गुट में सस्वर पाठ कराएँ। कविता में धान की बाली का किसान की बेटी के रूप में प्रतीकात्मक वर्णन किया गया है । । खेती की आवश्यकता बताते हुए किसान के कार्य पर चर्चा करें ।

जरा सोचो .... बताओ

यदि प्रकृति में सुंदर – सुंदर रंग नहीं होते तो ....

पेड़ों पर पंछी हैं,
मेड़ों पर शोर है ।
वंशी की तान लिए,
आती हर भोर है ।।

श्रम का यह मोती है,
मेहनत की जीत है ।
फसलों के आँचल से,
झरता यह गीत है ।।

सखियों-सी गाती हैं,
किरणें विहान की ।
खेतों में झूम रही,
बाली यह धान की ।।

मेहनत ही पूँजी है,
जग में इन्सान की ।
खेतों में झूम रही,
बाली यह धान की ।।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द
वितान = विस्तार, आकाश
मेड़ = खेत के चारों ओर मिट्टी का बनाया हुआ घेरा
वंशी = बाँसुरी
तान = सुर
भोर = प्रात:काल
आँचल = साड़ी का पल्लू

भाषा की ओर

दिए गए शब्दों के लययुक्त शब्द लिखो ।

बाली	....
बरखा	....
जीत	गीत
धान	....
जग	....

❑ प्राकृतिक आपदाओं (भूकंप, बाढ़, अकाल आदि) से बचाव के उपाय बताएँ और विद्यार्थियों से कहलवाएँ । अन्य कविता सुनाएँ, दोहरवाएँ, इसमें सभी को सहभागी करें । प्रकृति के संतुलन एवं संवर्धन संबंधी जानकारी दें, प्रत्येक के अपने सहयोग पर चर्चा करें ।

❑ **कृति/प्रश्न हेतु अध्यापन संकेत –** प्रत्येक कृति/प्रश्न को शीर्षक के साथ दिया गया है । दिए गए प्रत्येक कृति/प्रश्न के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध करें । क्षमताओं और कौशलों के आधार पर इन्हें विद्यार्थियों से हल करवाएँ । आवश्यकतानुसार विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए अन्य शिक्षकों की भी सहायता प्राप्त करें । 'दो शब्द' में दी गई सूचनाओं का पालन करें ।

खोजबीन

कृषि के आधुनिक उपकरणों की जानकारी प्राप्त करो और लिखो ।

सुनो तो जरा

त्योहार संबंधी कोई एक गीत सुनो और दोहराओ ।

बताओ तो सही

‘शालेय स्वच्छता अभियान’ में तुम्हारा सहयोग बताओ ।

वाचन जगत से

कविवर सुमित्रानंदन पंत की कविता का मुखर वाचन करो ।

मेरी कलम से

सप्ताह में एक दिन किसी कविता का सुलेखन करो ।

* रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :

१. बूँदों ने .... दिया ।

२. पेड़ों पर .... हैं ।

३. नीले .... की ।

४. झरता यह .... है ।

सदैव ध्यान में रखो

प्लास्टिक, थर्माकोल आदि प्रदूषण बढ़ाने वाले घटकों का उपयोग हानिकारक है ।

विचार मंथन

जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान ।

अध्ययन कौशल

बोआई से मंडी तक की प्रक्रियाओं के बारे में बताओ ।

* दर्पण में देखकर पढ़ो ।

पहचानो हमें

● सुनो और दोहराओ :

३. अपनी प्रकृति

इस कहानी में बच्चों ने अपनी प्रिय वस्तुएँ प्रकृति को देकर उसके प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट किया है ।

* चित्र पहचानकर उनके नाम लिखो :

नाम हमारे

....

एक दिन फ्रेड्रिक, हितेंद्र, मुख्तार, प्राजक्ता, सिद्धि, शर्मिष्ठा, कृष्णा, बिट्टू, तृप्ति, चिन्मय सोनपरी के साथ बगीचे में खेल रहे थे । काव्या पेड़ के नीचे बैठी इन सबका खेल देख रही थी कि अचानक एक पत्ता ऊपर से आ गिरा । काव्या ने ऊपर देखा, हरा-भरा पेड़ और उसकी घनी छाया फैली थी । वह सोचने लगी 'प्रकृति कितना कुछ देती है, हमें भी उसे कुछ देना चाहिए ।'

उसने सभी को बुलाया और अपने विचार बताए । सभी सोचने लगे-'अरे, हाँ हमें भी कुछ देना चाहिए ।' चिन्मय बोला, ''क्यों न बाल दिवस पर हम प्रकृति को कुछ दें,'' सभी ने सोनपरी को अपना विचार बताया ।

सोनपरी को बहुत हर्ष हुआ । वह सबको अपने साथ लेकर आकाश में उड़ चली । उसने कहा, ''नेकी और पूछ-पूछ, 'दोस्तो ! तुम जो कुछ प्रकृति को देना चाहते हो, उसकी कल्पना करो । मैं तुम्हारी हर कल्पना को सुंदर उपहार में बदल दूँगी ।'' फ्रेड्रिक और सिद्धि ने अपने खिलौने आकाश को देने का मन बनाए। सोचते ही खिलौनों ने बादलों का रूप लिया और पानी बरसने लगा।

काव्या और हितेंद्र ने पर्वत को मिठाई देने की इच्छा व्यक्त की । यह इच्छा शानदार वृक्षों में बदल गई । शर्मिष्ठा एवं कृष्णा पृथ्वी को अपनी गुड़िया देना चाहती थीं। देखते-देखते उनकी चाह नदियाँ बनकर पृथ्वी पर बहने लगी ।

❑ कहानी में आए संज्ञा शब्दों (पर्वत, सोनपरी, सभी, खुशी, पानी) को श्यामपट्ट पर लिखें । संज्ञा के भेदों को सरल प्रयोगों द्वारा समझाएँ । उपरोक्त कृति करवाने के पश्चात विद्यार्थियों से इस प्रकार के अन्य शब्द कहलवाएँ । उनसे दृढ़ीकरण भी कराएँ । विद्यार्थियों को परी जैसी काल्पनिक संकल्पना से यथार्थ की ओर ले जाना है । उन्हें प्रश्नोत्तर के माध्यम से कहानी सुनाएँ ।

खोजबीन

रुपयों (नोट) पर लिखी कीमत कितनी और किन भाषाओं में अंकित है, बताओ।

तृप्ति और प्राजक्ता ने अपनी-अपनी चूड़ियाँ देने का मन बनाया। कुछ ही क्षणों में सारी धरती हरी-भरी हो गई मानो धरती ने धानी चुनर ओढ़ी हो। मुख्तार और बिट्टू ने अपनी रंग पेटी देनी चाही और कुछ ही क्षणों में सारा आसमान टिमटिमाते तारों से भर गया। सारी प्रकृति दुल्हन की तरह सज गई थी, जिस-जिस ने जो चाहा सोनपरी ने वह सब किया।

अब प्रकृति में पंछी मधुर स्वर में गाने लगे, कलकल झरनों ने वातावरण में संगीत भर दिया। मंद पवन बहने लगा। फूलों ने हवा में मीठी खुशबू भर दी। बच्चे खुशी से नाचने लगे और परी को धन्यवाद देने लगे कि परी ने सचमुच प्रकृति को अद्भुत बना दिया। तभी प्राजक्ता के सिर पर एक पका आम आ टपका।

एकाएक प्राजक्ता की नींद खुल गई। उसने खिड़की से बाहर झाँका तो पाया कि प्रकृति ठीक वैसी ही दिख रही है, जैसी उसने अभी-अभी सपने में देखी थी। वह भावविभोर हो गई।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

हर्ष = आनंद

क्षण = पल

अद्भुत = अनोखा

मुहावरे

नेकी और पूछ-पूछ = अच्छे काम के लिए पूछने की आवश्यकता नहीं

भावविभोर होना = आनंदित होना

भाषा की ओर

निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द कहानी से ढूँढ़कर बताओ।

आकाश

मित्र

धरा

गिरि

सुगंध

सुनो तो जरा

कार्टून कथा सुनकर उसे हाव-भाव सहित सुनाओ ।

बताओ तो सही

बड़े होकर क्या बनना चाहते हो ?

वाचन जगत से

महादेवी वर्मा के रेखाचित्र पढ़कर उसके पात्रों के नाम लिखो ।

मेरी कलम से

इस कहानी के किसी एक अनुच्छेद का अनुलेखन करो ।

* किसने किससे कहा है बताओ :

१. ''प्रकृति कितना कुछ देती है ।''

२. ''मैं तुम्हारी हर कल्पना को सुंदर उपहार में बदल दूँगी ।''

३. ''बाल दिवस पर हम प्रकृति को कुछ दें ।''

४. ''नेकी और पूछ-पूछ ।''

सदैव ध्यान में रखो

प्रकृति से हमें देने की सीख मिलती है ।

जरा सोचो .... बताओ

यदि तुम्हें परी मिल जाए तो .....

अध्ययन कौशल

किसी परिचित अन्य कहानी लेखन के लिए मुद्दे तैयार करो ।

विचार मंथन

।। साइकिल चलाओ, पर्यावरण बचाओ ।।

स्वयं अध्ययन

दिए गए चित्रों के आधार पर उचित और आकर्षक विज्ञापन तैयार करो ।

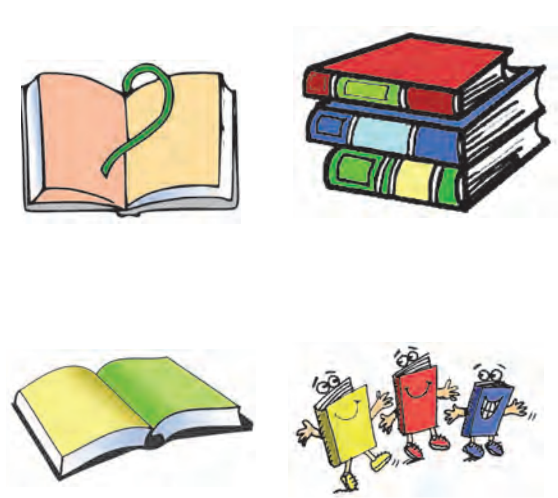

● **आकलन :**

४.(अ) आओ, आयु बताना सीखो

(१) अपने मित्र को उसकी वर्तमान आयु में अगले वर्ष की आयु जोड़ने के लिए कहें । (२) उसे इस योगफल को ५ से गुणा करने के लिए कहें । (३) प्राप्त गुणनफल में उसे अपने जन्मवर्ष का इकाई अंक जोड़ने के लिए कहें । (४) प्राप्त योगफल में से ५ घटा दें । (५) घटाने के बाद जो संख्या प्राप्त होगी, उसकी बाईं ओर के दो अंक तुम्हारे मित्र की आयु है । इस सूत्र को उदाहरण से समझते हैं ।

मान लो, तुम्हारे मित्र की आयु १० वर्ष और जन्म वर्ष २००४ है तो–

(१) १० (वर्तमान आयु) + ११ (अगले वर्ष की आयु) = २१ (२) २१× ५ = १०५

(३) १०५ + ४ = १०९ (४) १०९ – ५ = १०४

१०४ की बाईं ओर के दो अंक अर्थात १० वर्ष तुम्हारे मित्र की आयु है । इसी आधार पर अपने परिजनों, परिचितों, अन्य मित्रों को उनकी आयु बताकर आश्चर्य चकित कर सकते हो । प्रत्यक्ष करके देखो ।

❑ विद्यार्थियों की जोड़ियाँ बनाकर आयु बताने का खेल खेलवाएँ और उन्हें मजेदार पहेलियाँ बूझने के लिए दें । उन्हें इसी प्रकार के अन्य विषयों के भी खेल खेलने के लिए कहें । उनसे पहेलियों और खेलों का चित्रों सहित लिखित संग्रह करवाएँ और खेलवाएँ ।

● **अंतर बताओ :**

(ब) महाराष्ट्र की बेटी

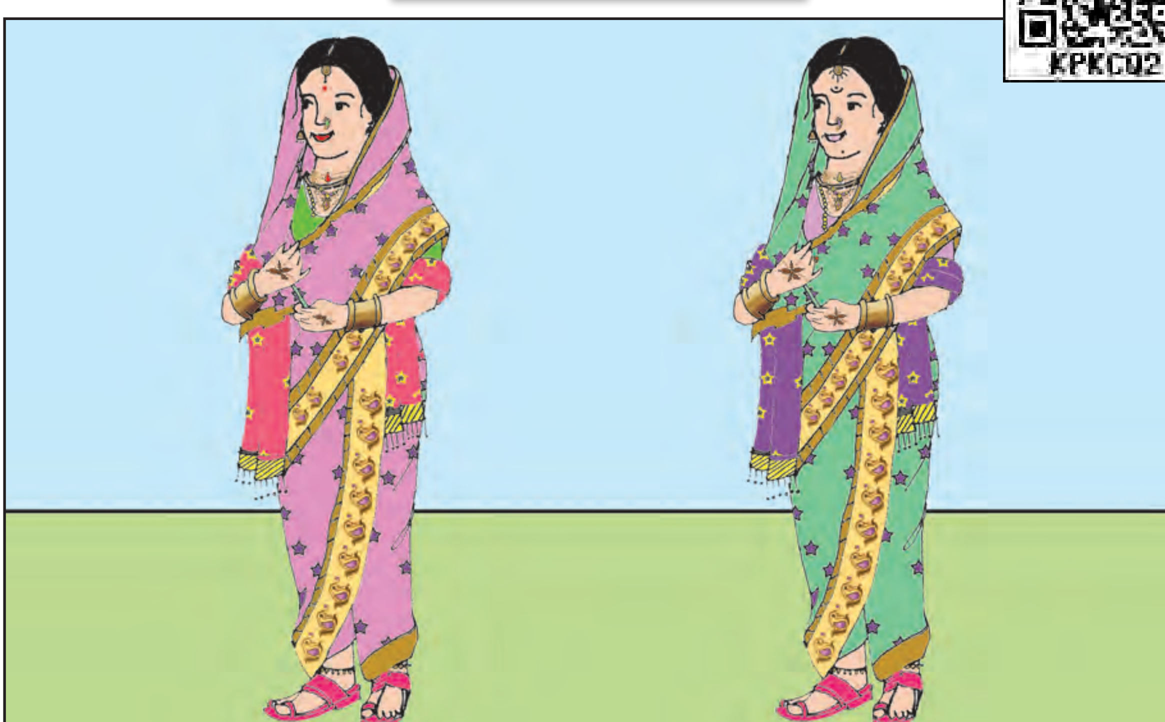

❑ विद्यार्थियों से दोनों चित्रों को देखकर उनमें अंतर ढूँढ़कर बताने के लिए कहें । भारत के विभिन्न राज्यों के खानपान, पहनावा, आभूषण जैसे अन्य विषयों पर चर्चा कराएँ । उनमें समानता और विविधता बताते हुए लोगों के आपसी संबंधों को स्पष्ट करें ।

● गाओ और समझो :

५. एक चपाती

–रमेश तैलंग

जन्म : २ जून १९४६, टीकमगढ़(मध्यप्रदेश) **रचनाएँ :** हिंदी के नए बालगीत उड़न खटोले, एक चपाती और अन्य बालकविताएँ आदि।
परिचय : आप १९६५ से प्रमुख राष्ट्रीय दैनिकों में लेखन कर रहे हैं।
इस कविता में चपाती और बिल्ली के बीच घटी मजेदार घटना को हास्य रूप में व्यक्त किया है।

ताती–ताती एक चपाती
दिखी तवे पर पेट फुलाती
बिल्ली मौसी बोली–''म्याऊँ !
भूख लगी, मैं तुझको खाऊँ।''
सुनकर उछली दूर चपाती,
बोली फिर आँखें मटकाती–
''मौसी पहले मक्खन ला।
फिर चाहे मुझको खा जा।''
देख चपाती की ठनगन,
बिल्ली ले आई मक्खन।
गुर्राकर फिर बोली–''म्याऊँ !
अब तो मैं तुझको खा जाऊँ?''
सुनकर उछली दूर चपाती,
बोली फिर आँखें मटकाती–

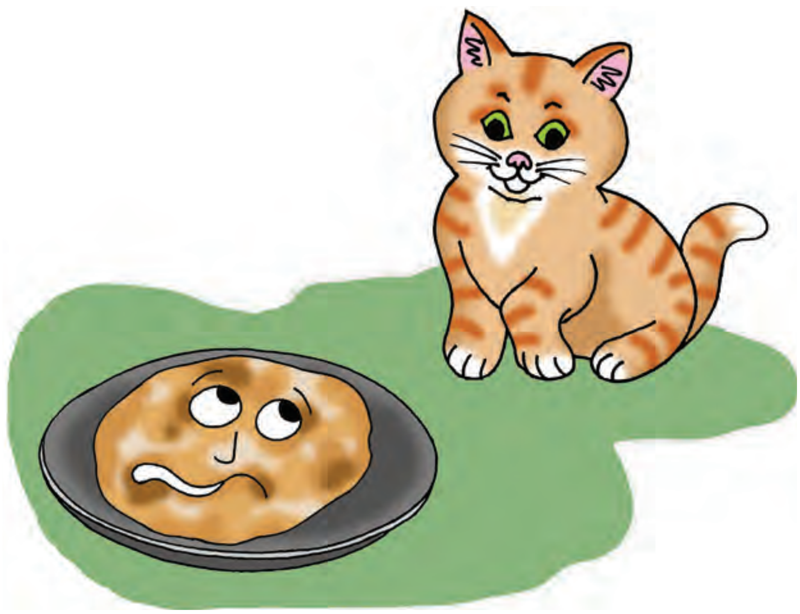

''हाँ, हाँ, पहले गुड़ तो ला।
फिर चाहे मुझको खा जा।''
बिल्ली चल दी गुड़ लाने।
लगी लौटकर झुँझलाने।
''म्याऊँ ! म्याऊँ ! म्याऊँ !
अब मैं खाऊँ। अब मैं खाऊँ''
मन ही मन में गढ़ी चपाती,
सोचा–'अब तो मरी चपाती।'
चिढ़कर बोली–'खा नकटी।'
बिल्ली गुस्से में झपटी।
कमरे में आते ही माँ के,
बिल्ली भागी दुम दबा के
आँख खोल चपाती मुस्काई,
माँ ने उसकी जान बचाई।

❑ विद्यार्थियों से एकल एवं सामूहिक कविता पाठ कराएँ। प्रश्नोत्तर के माध्यम से बिल्ली और चपाती के बीच हुए संवादों को स्पष्ट करें। उन्हें बाल–जगत से संबंधित अन्य किसी कल्पना के प्रति बाल मनोभाव व्यक्त करके प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

● सुनो और समझो :

६. सीख

इस संवाद में बताया गया है कि अंधविश्वास से दूर रहना चाहिए ।

नाम तुम्हारे

* चित्र देखकर उचित सर्वनाम ◯ में लिखो : (तू, मैं, वह, यह, क्या, जैसा-वैसा, अपने-आप)

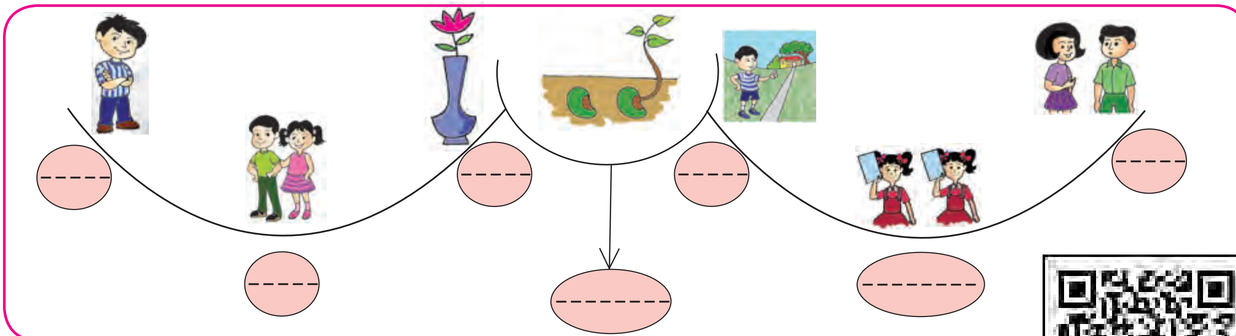

[मोहन बीमारी के कारण रो रहा है । माँ उसे समझा रही है ।]

माँ : रोओ मत बेटे, ठीक हो जाओगे । ये लो मंत्रवाला पानी बाबा जी ने दिया है ।

मोहन : इससे क्या होगा माँ ?

माँ : इससे तुम्हारी बीमारी छूमंतर हो जाएगी । मैं वैसा ही कर रही हूँ जैसा कहा गया है ।

[मोहन के मित्र एवं सहेलियों का आगमन]

सोहम : मोहन ! अब कैसी है तबीयत ?

मोहन : अरे क्या बताऊँ तकलीफ तो बढ़ ही रही है ।

शिल्पा : अस्पताल नहीं गए? दवाई तो लेनी थी ।

माँ : नहीं, उसकी जरूरत भी नहीं । इसे किसी की नजर लग गई है । बाबा जी ने मंत्रवाला पानी दिया है वह दो-एक दिन में अपने-आप ठीक हो जाएगा ।

❑ संवाद में आए सर्वनाम शब्दों (मैं, वह, कुछ, जैसा-वैसा, अपने-आप) को श्यामपट्ट पर लिखें । इनके भेदों को प्रयोग द्वारा समझाएँ और अन्य शब्द कहलाएँ । विद्यार्थियों से कृति करवाने के पश्चात उनका वाक्यों में प्रयोग करवाकर दृढ़ीकरण कराएँ । विद्यार्थियों से संवाद पढ़वाएँ और प्रश्न बनाकर एक-दूसरे से पूछने के लिए कहें । उनसे अंधविश्वास पर चर्चा कराएँ ।

जरा सोचो .... बताओ

यदि रात और दिन न होते तो ......

सभी मित्र : मोहन, तबीयत की तरफ ध्यान दो । हम निकलते हैं ।
(बच्चे जैसे ही बाहर निकले उसी समय एक बिल्ली ने उनका रास्ता काटा ।)

सुषमा : लो, अब तो हम लोगों का काम नहीं होगा ।

महेश : मुझे भी ऐसा ही लगता है । बिल्ली ने रास्ता काटा है ।

सोहन : अरे देखो तो ! सामने से गुरु जी आ रहे हैं । गुरु जी भी मोहन के घर जा रहे होंगे ।

सुषमा : गुरु जी, अभी हम सब आपके घर ही आने वाले थे पर बिल्ली ने रास्ता काट दिया ।

शिल्पा : गुरु जी दूध का दूध और पानी का पानी करेंगे ।

महेश : हमने देखा मोहन की माँ बीमार मोहन को कोई मंत्र फूँका हुआ पानी पिला रही थी।

गुरु जी : क्यों भला ? तुम सब देखते रहे ?

सोहम : हम सब क्या करते उनका आदर जो करना था ।

गुरु जी : देखो, बिल्ली का रास्ता काटना, देहली पर छींकना आदि सब अंधविश्वास हैं ।

सुषमा : पर सभी लोग तो मानते हैं ।

गुरु जी : बीमारी होने के अनेक कारण होते हैं । दवा ही उसका एकमात्र उपाय है । चलो, हम मिलकर मोहन की माँ को समझाते हैं । जिससे उनकी आँखें खुल जाएगी ।
सभी मिलकर एक साथ बोलते हैं ''अंधविश्वास से दूर रहो, सत्य की पहचान करो ।''

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

तकलीफ = दर्द पीड़ा

चौंकना = आश्चर्यचकित होना

उफनना = उबलना

मुहावरे

तरस आना = दया आना

आँखें खुलना = सही बात समझ में आना

दूध का दूध और पानी का पानी करना = न्याय करना

भाषा की ओर

निम्नलिखित शब्दों के लिंग और वचन बदलकर लिखो ।

स्त्रीलिंग		पुल्लिंग	
एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
भैंस	भैंसें	भैंसा	भैंसे
-----	-----	बिलाव	-----
घोड़ी	-----	-----	-----
-----	-----	-----	नाग
-----	मैनाएँ	-----	-----

सुनो तो जरा

चुटकुले, पहेलियाँ सुनो और किसी कार्यक्रम में सुनाओ ।

बताओ तो सही

अपने द्‌वारा किए गए किसी अच्छे कार्य का अनुभव बताओ ।

वाचन जगत से

हितोपदेश की कोई एक कहानी पढ़ो और उससे संबंधित चित्र बनाओ ।

मेरी कलम से

हिचकी आने जैसी क्रियाओं की सूची बनाकर उनके कारण लिखो ।

* एक वाक्य में उत्तर लिखो :

१. बाबा जी ने माँ को क्या दिया ?

२. मोहन को देखने कौन-कौन आए ?

३. बच्चों का रास्ता किसने काटा ?

४. गुरु जी ने बच्चों को क्या समझाया ?

स्वयं अध्ययन

महान विभूतियों की सूची बनाकर किसी एक के कार्य पर पाँच वाक्य लिखो ।

सदैव ध्यान में रखो

बिना सोचे समझे किसी बात पर विश्वास ना करें ।

विचार मंथन

।। विज्ञान का फैलाओगे प्रकाश तो होगा अंधविश्वास का नाश ।।

अध्ययन कौशल

नए शब्दों को शब्दकोश में से ढूँढ़कर वर्णक्रमानुसार लिखो ।

खोजबीन

अंधविश्वास के कारण और उसे दूर करने के उपाय ढूँढ़ो तथा किसी एक प्रसंग को प्रस्तुत करो ।

समझो हमें

* चित्र की सहायता से बारहखड़ी के शब्द बनाकर लिखो ।

अनु.	चित्र का पहला अक्षर	वर्ण	चित्र का अंतिम अक्षर	शब्द	अनु.	चित्र का पहला अक्षर	वर्ण	चित्र का अंतिम अक्षर	शब्द
१.		ल		कलम	७.	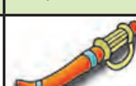	-		....
२.		-		....	८.		क		....
३.		सा		....	९.		ला		....
४.		म		....	१०.		य		....
५.		टी		....	११.		शि		....
६.		क		....	१२.		ग		....

● **सुनो, पढ़ो और गाओ :**

७. मुन्नी रानी

-अशोक सिंह सोलंकी

जन्म : १७ जून १९६२ **रचनाएँ :** लतिका, गुंजार, स्वर-व्यंजन, शब्दों के पास आदि ।
परिचय : आपने विपुल मात्रा में बाल साहित्य का लेखन किया है ।
प्रस्तुत कविता में लोरी के माध्यम से माँ का बच्चे के प्रति वात्सल्य भाव प्रकट किया गया है ।

जरा सोचो .... बताओ

✻ यदि सच में हमारे मामा का घर चाँद पर होता तो...

सो जा सो जा मुन्नी रानी,
बात मान ले मेरी ।
दूध-मलाई तुम को दूँगी,
मधुर सुनाऊँगी लोरी ।।

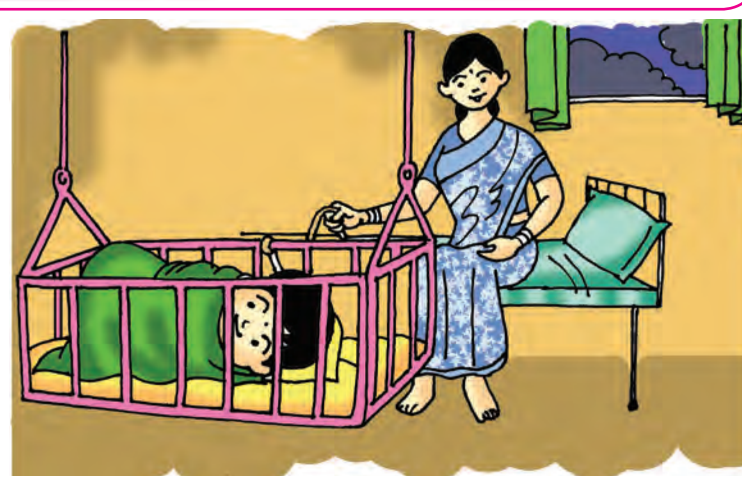

रात सुहानी आएगी जब,
चंदा आ मुस्काएगा ।
शीतल चमकीली किरणों से,
तब वह तुम्हें रिझाएगा ।।

❑ विद्यार्थियों से लोरी गवाएँ और उसका अर्थ तथा संदर्भ समझाएँ । उसपर चर्चा करें । माता-पिता जी का महत्त्व पूछें । उन्हें अपने दादी जी/ नानी जी के गुणों को उजागर करने वाली कोई घटना बताने के लिए कहें । अन्य लोरी सुनाएँ और गवाएँ ।

खोजबीन

विभिन्न क्षेत्रों की अधिक-से-अधिक दस 'प्रथम भारतीय महिलाओं' की सचित्र जानकारी कॉपी में चिपकाओ ।

जब तू माँगेगी उसको ही,
जल में उसे दिखाऊँगी ।।
चंदा मामा आए मुन्नी,
कह, तुमको बहलाऊँगी ।।

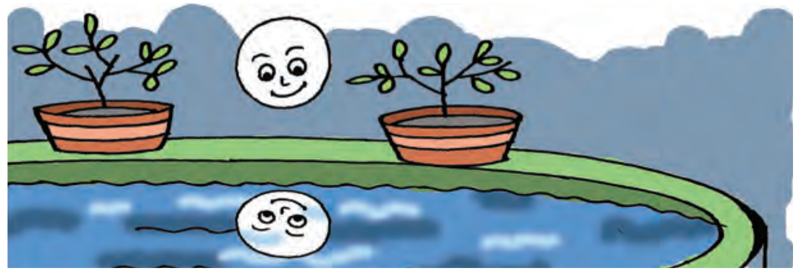

चंदा मामा आकर तुमको,
देंगे अपना सारा प्यार ।
औ मैं भी निज प्रेम हृदय का,
दूँगी निश्चय तुम पर वार ।।
पलक बंद कर सो जा जल्दी,
प्यारी मुन्नी रानी ।।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द
शीतल = ठंडा
रिझाना = मन मोहना
निज = स्वयं

स्वयं अध्ययन

अपने परिवार के प्रिय व्यक्ति के लिए चार काव्य पंक्तियाँ लिखो ।

भाषा की ओर

हिंदी-मराठी के समोच्चारित शब्दों की अर्थ भिन्नता बताओ और लिखो ।

मराठी अर्थ	समोच्चारित शब्द	हिंदी अर्थ
	← कल →	
	← सही →	
	← खोल →	
	← आई →	
	← परत →	

सुनो तो जरा

नीतिपरक दोहे सुनो और आनंदपूर्वक सुनाओ ।

बताओ तो सही

माँ को एक दिन की छुट्टी दी जाए तो क्या होगा ?

वाचन जगत से

सुभद्राकुमारी चौहान की कविता पढ़ो और समूह में गाओ ।

मेरी कलम से

निर्धारित विषय पर भाषण तैयार करो ।

✻ कविता की पंक्तियाँ पूरी करो ।

१. रात सुहानी ....
....
....
.... रिझाएगा ।

२. चंदा मामा ....
....
....
.... मुन्नी रानी ।

सदैव ध्यान में रखो

जीवन में माता-पिता का स्थान अनमोल है ।

विचार मंथन

।। जननी-जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी ।।

अध्ययन कौशल

अपने परिवार का वंश वृक्ष तैयार करो और रिश्ते-नातों के नाम लिखो ।

KQCZUZ

जोड़ो हमें

✻ पेड़ के पत्तों पर दिए गए वर्णों से संयुक्ताक्षरयुक्त शब्द बनाओ : (आधे होकर, पाई हटाकर, हल लगाकर, 'र' के प्रकार)

(क, फ, ग, त, थ, घ, ष, व, द, म, ह, ठ, ड, ट, प)

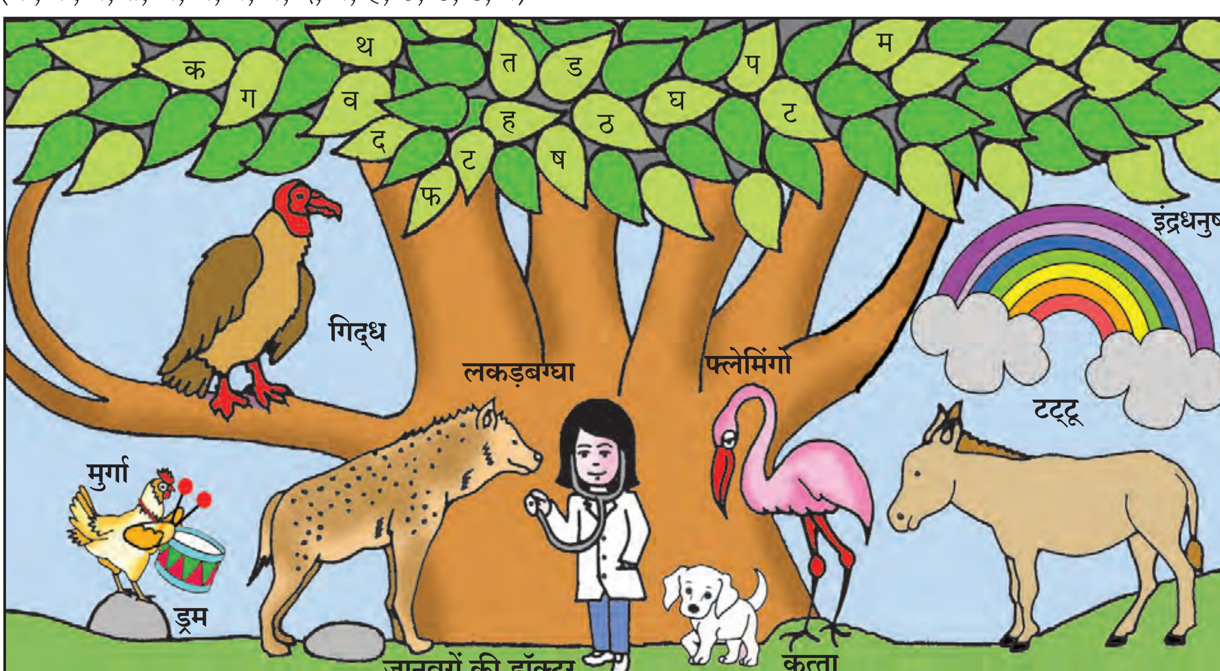

✻ स्वयं अध्ययन–१ ✻

✻ एक से सौ तक की उलटी गिनती सुनो, पढ़ो और कॉपी में लिखो :

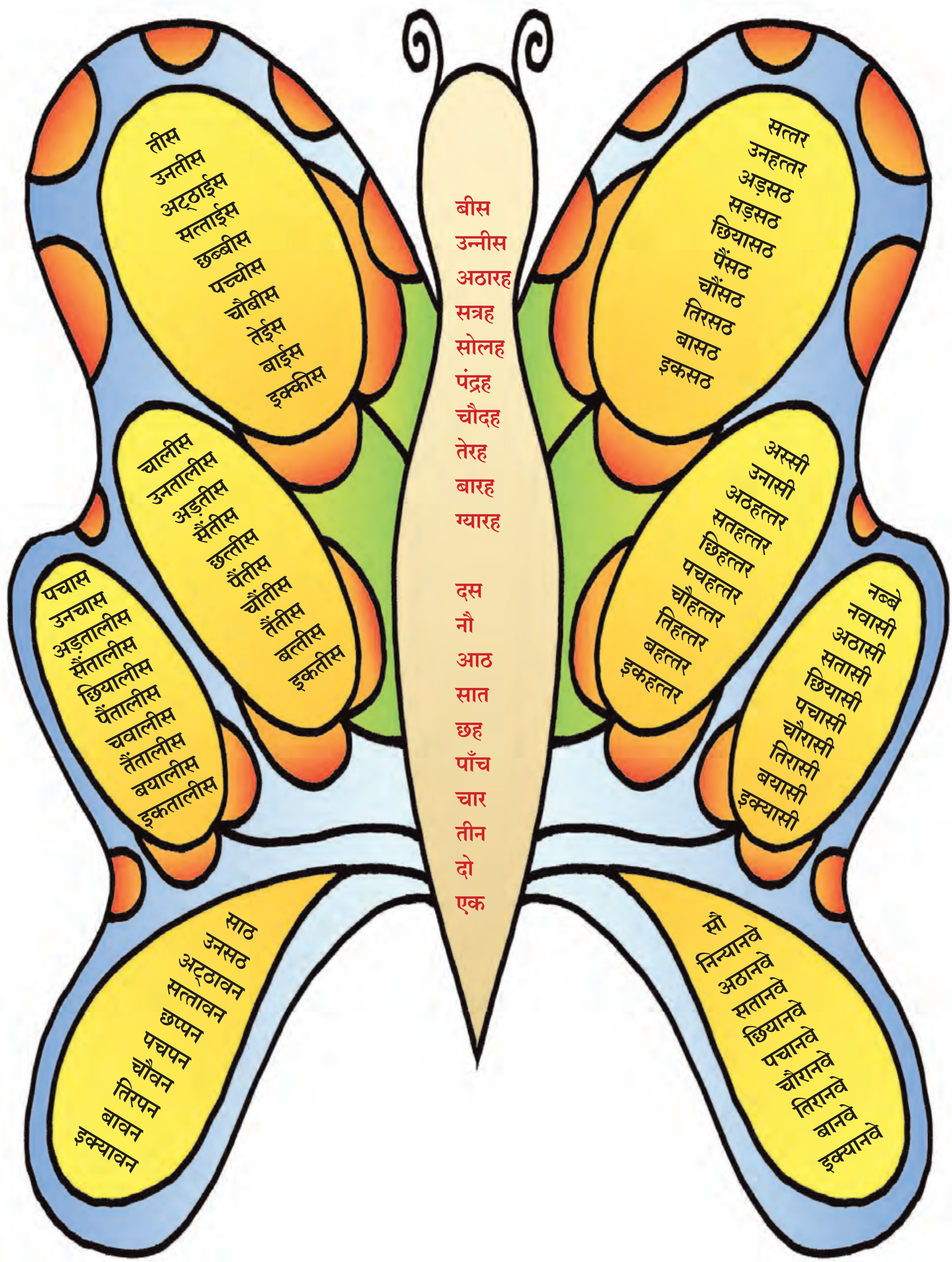

✻ पुनरावर्तन – १ ✻

१. वर्णमाला सुनाओ और विशेष वर्णों के उच्चारण पर ध्यान दो ।

२. विद्‌यालय के स्नेह सम्मेलन का वर्णन करो ।

३. पसंदीदा विषय पर विज्ञापन बनाकर उसको पढ़ो ।

४. फल–फूलों के दस–दस नाम लिखो ।

फलों के नाम	फूलों के नाम
१.	१.
२.	२.
३.	३.
४.	४.
५.	५.
६.	६.
७.	७.
८.	८.
९.	९.
१०.	१०.

५. अक्षर समूह में से खिलाड़ियों के नाम बताओ और लिखो ।

इ	ह	ना	सा	ल	वा	ने		______
ध्या	द	चं	न					______
व	शा	ध	जा	बा	खा			______
ह	ल्खा	सिं	मि					______
म	री	कॉ	मे					______
नि	मि	सा	र्जा	या				______
न	र	स	ल	डु	तें	क	चि	______

कृति/उपक्रम

माता–पिता से अपने बारे में सुनो ।	पिछले वर्ष किए अपने विशेष कार्य बताओ ।	बाल सभा में प्रतिदिन बोध कथा का वाचन करो ।	वर्ष भर के खेल–समाचारों का सचित्र संकलन प्रस्तुत करो ।

● देखो, समझो और चर्चा करो :

१. उपयोग हमारे

डाकघर

❑ विद्‌यार्थियों से चित्रों का निरीक्षण कराकर उनको प्रश्न पूछने के लिए कहें । बड़ों की सहायता से उन्हें डाकघर में जाकर टिकट खरीदने तथा बैंक में बाल-बचत खाता खुलवाने और परिचित डाकिए, बैंक कर्मचारी, नर्स, हवलदार से बातचीत करने की सूचना दें ।

बैंक

❑ उपरोक्त स्थानों की कार्य प्रक्रिया संबंधी जानकारी देकर चर्चा करें । प्रत्यक्ष जाकर विद्‌यार्थियों को वहाँ की सूचना पढ़ने के लिए कहें । उनसे अपने गाँव/शहर के महत्त्वपूर्ण स्थानों के दूरध्वनि क्रमांकों की सूची बनवाएँ और सहायता लेने की सूचना दें ।

● **सुनो, समझो और गाओ :**

२. एक किरन

– श्रीप्रसाद

जन्म : ५ जनवरी १९३२, पारना आगरा, (उ.प्र.) **रचनाएँ :** खिड़की से सूरज, आ री, कोयल, गुड़िया की शादी आदि ।
परिचय : आपने विपुल मात्रा में बाल साहित्य का लेखन किया है ।

प्रस्तुत कविता में सूरज उगने के बाद प्रकृति में आने वाले परिवर्तन का वर्णन किया है ।

स्वयं अध्ययन

✻ चित्र देखकर हाव–भाव की नकल करो ।

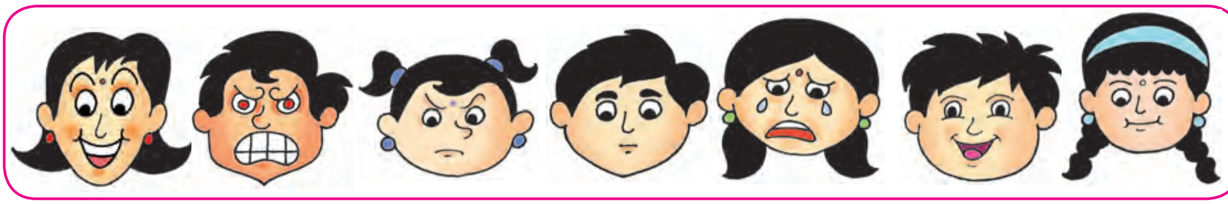

रेशम जैसी हँसती–खिलती,
नभ से आई एक किरन ।
आँचल भरकर मीठी–मीठी,
खुशियाँ लाई एक किरन ।

लाल–लाल थाली–सा सूरज,
उठकर आया पूरब में ।
फिर सोने के तारों जैसी,
नभ में छाई एक किरन ।

पड़ी ओस की थीं कुछ बूँदें,
झिलमिल–झिलमिल पत्तों पर ।
उनमें जाकर, दीया जलाकर,
ज्यों मुसकाई एक किरन ।

❑ विद्यार्थियों का ध्यान लयात्मकता की ओर आकर्षित करते हुए कविता सस्वर कहलवाएँ । उनसे मुखर वाचन, मौन वाचन करने के लिए कहें फिर नए शब्दों के अर्थ पूछें । कविता में आए जीवन मूल्यों पर गहन विश्लेषणात्मक चर्चा कराएँ ।

खोजबीन

भारतीय स्थानीय समय के अनुसार देश-विदेश के समय की तालिका बनाओ ।

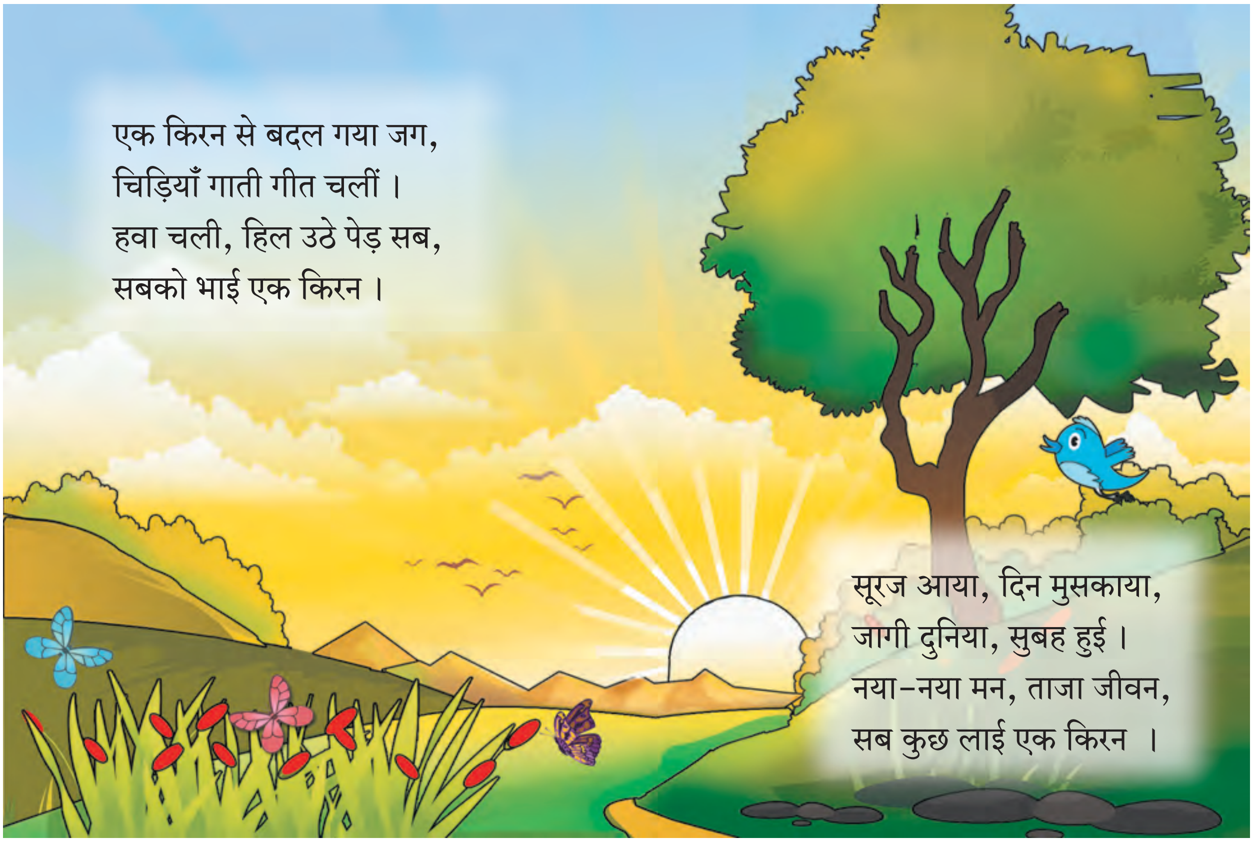

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

जग = संसार, विश्व

भाई = पसंद आई

भाषा की ओर

कविता में आए किन्हीं पाँच शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखो ।

.... × ....

.... × ....

.... × ....

.... × ....

.... × ....

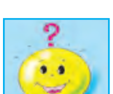

जरा सोचो ..... चर्चा करो

यदि समय का चक्र रुक जाए तो ......

सुनो तो जरा

रेडियो पर एकाग्रता से भजन सुनो और दोहराओ ।

बताओ तो सही

'साक्षर भारत कार्यक्रम' के बारे में जानकारी बताओ ।

वाचन जगत से

मीरा का पद पढ़ो और गाओ ।

मेरी कलम से

महीने में एक बार कविता का श्रुतलेखन करो ।

✻ संक्षेप में उत्तर लिखो ।

१. किरन कौन-सी खुशियाँ लेकर आई?

२. किरन कब मुसकाई?

३. नभ में किरन कैसी छाई?

४. सूरज के आने पर क्या-क्या होता है?

सदैव ध्यान में रखो

अपने परिवार में सदैव स्नेह बनाए रखें ।

विचार मंथन

।। करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।।

अध्ययन कौशल

समाज सेवी महिला की जीवनी पढ़कर प्रेरणादायी अंश चुनो और बताओ ।

समझो हमें

✻ पंचमाक्षर (ङ, ञ,ण,न,म) के अनुसार पतंगों में उचित शब्दों की जोड़ियाँ मिलाओ ।

जैसे-कंगना

कंगना, संघमित्रा
पंख, कंकाल

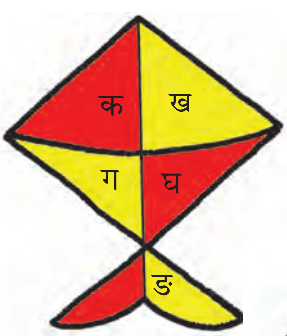

गंधर्व, अंदर
अंतिम, मंथन

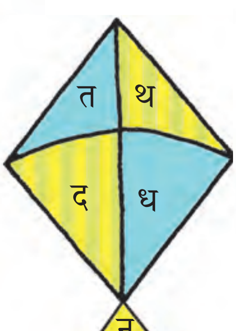

चंचल, जंजाल
पंछी, झंझोड़ना

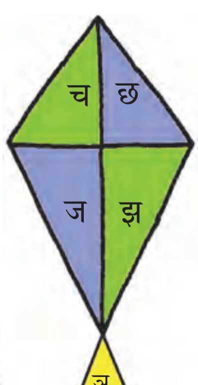

कंठ, डंडा
पंढरी, घंटा

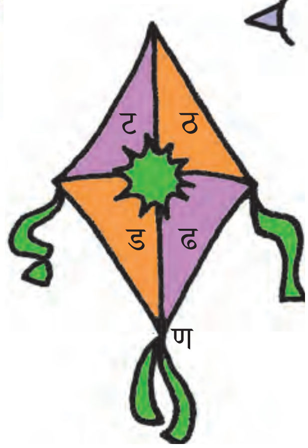

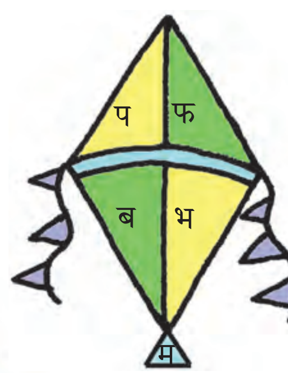

चंबल, इंफाल
अचंभा, चंपारन

● **पढ़ो, समझो और लिखो :**

३.स्वतंत्रता

इस कहानी में यह बताया गया है कि स्वतंत्रता अनमोल होती है ।

विशेषता हमारी

✲ चित्र देखकर विशेषणयुक्त शब्द बताओ और उनका वाक्यों में प्रयोग करो ।

जनवरी माह की ठंड भरी एक सुबह । घने जंगल के बीच खड़े बूढ़े बरगद की फुनगी पर एक बूढ़ा तोता, गुनगुनाती धूप सेंक रहा था । सारे छोटे बच्चे आस-पास ही खेल रहे थे । आसमान में उड़ते हुए गैस के लाल, पीले गुब्बारों को देख एक हल्की मुस्कान उसके चेहरे पर आ गई । पास में खेल रहे तोते के बच्चे ने इसका कारण जानना चाहा ।

बूढ़ा तोता कहने लगा, ‘‘बेटे, बहुत साल पहले की बात है । शाम होने को थी, हम सभी संगी-साथी अपने घरों की ओर लौट रहे थे । गैस भरे गुब्बारों का गुच्छा हमारे करीब से गुजर रहा था कि अचानक मेरे एक दोस्त ने शरारत करते हुए मुझे धक्का दिया और मैं बुरी तरह से गुब्बारों की डोरियों में उलझ गया ।

लाख कोशिश करने के बाद भी मैं अपने-आप को छुड़ा न पाया । मैं हवा के झोंकों के साथ गुब्बारों सहित दूसरी दिशा में बहने लगा । मेरी चोंच, पैर और पंख अपने-आपको छुड़ाने की कोशिश में बुरी तरह लहूलुहान हो गए थे । धीरे-धीरे शाम गहराने लगी, गुब्बारों की हवा भी कम होने लगी और अंत में गुब्बारों के साथ मैं शहर की घनी बस्ती के पीपल वृक्ष की फुनगी पर जा टिका । मैं डोरियों में फँसा असहाय हो चुका था । मेरे दोस्तों ने मेरा साथ छोड़ दिया ।

मोंटू नामक एक लड़का तीसरी मंजिल पर रहता था । जहाँ से पीपल के पेड़ और उसपर फँसे मुझपर

उसकी नजर गई । उसने घर में पिता से मुझे छुड़ाने को

❑ श्यामपट्ट पर कहानी में आए विशेषणों (लाल, कम, एक, ये) की सूची बनाएँ और उन्हें भेदों सहित समझाएँ । इन शब्दों का वाक्य में प्रयोग कराएँ । कहानी में आए नए शब्दों के अर्थ बताकर उनसे अपने शब्दों में कहानी लिखवाएँ । विद्‍यार्थियों से अपने शब्दों में कहानी कहलवाएँ तथा कहानी से प्राप्त होने वाली सीख बताने के लिए कहें ।

विचार मंथन

।। जीवदया ही भूतदया है ।।

कहा। पिता ने देखा, बचाना आसान काम नहीं है क्योंकि वृक्ष की फुनगी पर आसानी से पहुँचा नहीं जा सकता था । बहुत सोच-विचार के बाद उन्हें एक उपाय सूझा वह पेड़ जहाँ खड़ा था उसके नीचे चारदीवारी थी जिस पर काँच लगे थे एक ओर गंदे पानी का नाला बह रहा था तो दूसरी ओर कचरे का बड़ा सा कूड़ा-दान था । मोंटू के पापा ने लंबी-सी रस्सी उस डाल पर फेंकी और नीचे की ओर खींचते हुए कहा कि अब हम तुमको बचा ही लेंगे । मैं टूटी हुई डाल के साथ कूड़ेदान में आ गिरा । मेरी जान बच गई । मोंटू के पिता जख्मी हालत में मुझे घर ले आए, मरहमपट्टी की और पिंजड़े में रख दिया ।

मुझे बड़ा दुख हुआ । मैंने न पानी पीया और न ही चोंच में दाना लिया । मोंटू ने रात में पिता जी से १५ अगस्त का महत्व पूछा । पिता जी ने कहा कि स्वतंत्रता यानि आजादी अर्थात अपनी इच्छानुसार हर कार्य करने की सुविधा । मोंटू ने सवाल किया कि क्या यह आजादी सभी के लिए होती है । पिता ने बताया कि यह हम सबका अधिकार है । दूसरे दिन सुबह मोंटू मेरे पिंजड़े के पास आया और उसने कहा कि देखो मित्र तुम जल्दी से ठीक हो जाओ तो मैं तुम्हें शीघ्र ही आजाद कर दूँगा । मुझे मोंटू की बात समझ में आ गई थी । कुछ दिनों बाद पंद्रह अगस्त की सुबह मोंटू नए जूते पहने, हाथ में तिरंगा लेकर पाठशाला चला गया । जाते समय मोंटू ने अपना वादा पूरा किया ।''

मैंने समझा

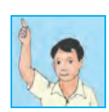

शब्द वाटिका

नए शब्द

फुनगी = डाल का सिरा

घना = गहरा

कोशिश = प्रयत्न

मुहावरा

लहूलुहान होना = बुरी तरह से जख्मी होना ।

भाषा की ओर

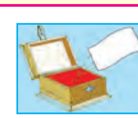

विरामचिह्न रहित अनुच्छेद में विरामचिह्न लगाओ ।
(,, !, ।, ?, -,—, ‘ ’, “ ”)

काबुलीवाले ने पूछा बिटिया अब कौन-सी चूड़ियाँ चाहिए मैंने अपनी गुड़िया दिखाकर कहा मेरी गुड़िया के लिए अच्छी सी चूड़ियाँ दे दो जैसे लाल नीली पीली

(यह अनुच्छेद काबुलीवाला कहानी से है ।)

सुनो तो जरा

विभिन्न पशु-पक्षियों की बोलियों की नकल सुनाओ ।

बताओ तो सही

अपने साथ घटित कोई मजेदार घटना बताओ ।

वाचन जगत से

प्रेमचंद की कोई एक कहानी पढ़ो । उसका विषय बताओ ।

मेरी कलम से

'बाघ बचाओ परियोजना' के बारे में जानकारी प्राप्त कर लिखो ।

सदैव ध्यान में रखो

प्राणियों का संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है ।

जरा सोचो ..... चर्चा करो

यदि प्राणी नहीं होते तो ...

* कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखो ।

खोजबीन

विलुप्त होते हुए प्राणियों तथा पक्षियों की जानकारी प्राप्त करके सूची बनाओ ।

स्वयं अध्ययन

दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले किसी अनोखे जीव की जानकारी प्राप्त करो ।

अध्ययन कौशल

निम्नलिखित शब्दों का रोमन लिपि में लिप्यंतरण करो ।

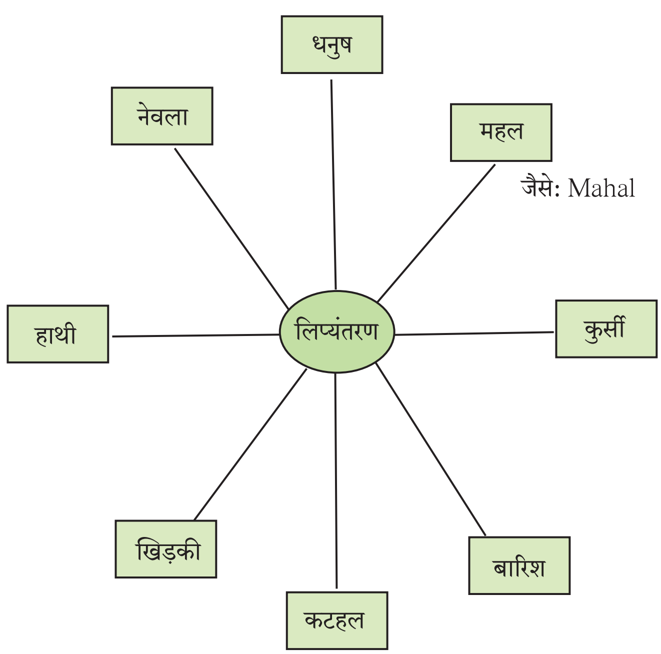

● **समझो और बताओ :**

४.(अ) क्या तुम जानते हो ?

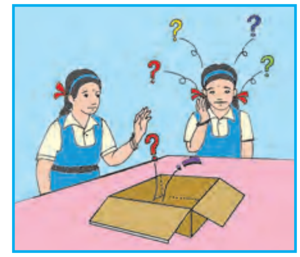

१. विश्व का प्रथम विश्वविद्‌यालय कौन-सा है ?

२. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कब मनाया जाता है ?

३. विश्व का सबसे बड़ा जीव कौन-सा है ?

४. किस ग्रह को ''भोर का तारा'' कहते हैं ?

५. भारत का राष्ट्रीय मानक समय किस शहर में माना जाता है ?

६. भूभाग की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा और सबसे छोटा राज्य कौन-सा है ?

७. विश्व में सबसे ऊँचाई पर कौन-सी सड़क है ?

❑ विद्‌यार्थियों से उपरोक्त जानकारी पर चर्चा करें । उनसे ऐसी अन्य जानकारियों का संग्रह कराएँ । आवश्यकतानुसार अन्य विषय शिक्षकों की सहायता लें । उन्हें प्रश्न मंच का आयोजन करने के लिए कहें ।

(ब) पहेलियाँ

जल में, थल में रहता,
वर्षाऋतु का गायक ।
कहो कौन टर्र-टर्र करता,
इधर-उधर फुदक-फुदक ।

मिट्‌टी धूप हवा से भोजन,
वह प्रतिदिन ही लेता है ।
कहो कौन, जो प्राणवायु संग,
छाया भी हमको देता है ।

अर्धचक्र और सतरंगी,
नभ में बादल का संगी ।
कहो कौन, जो शांत मनोहर,
रंग एक है, जिसमें नारंगी ।

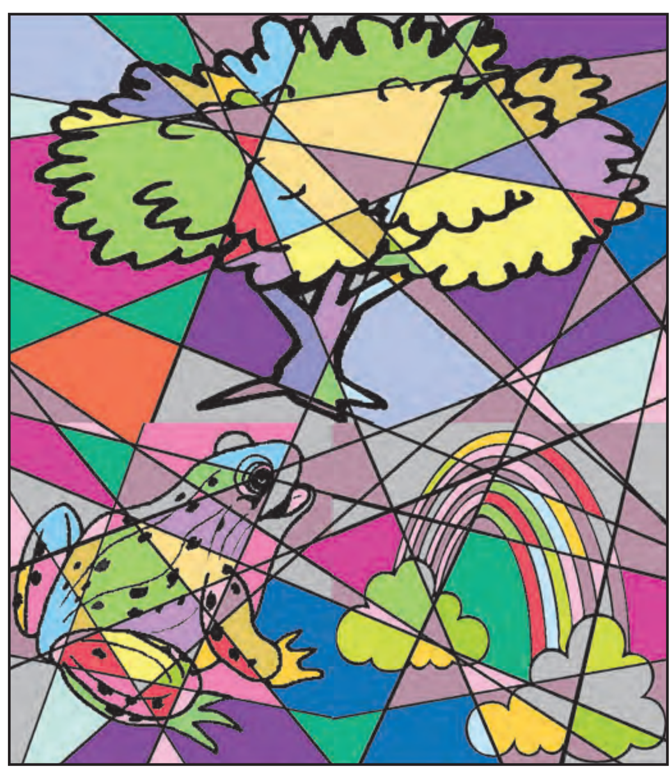

❑ विद्‌यार्थियों से पहेलियों का मुखर और मौन वाचन करवाएँ। उपरोक्त पहेलियाँ बूझने एवं उनके हल चौखट में लिखने के लिए कहें। कक्षा में अन्य पहेलियाँ सुनाएँ और बुझवाएँ । उन्हें अन्य पहेलियाँ ढूँढ़ने के लिए प्रेरित करें तथा उनका संग्रह करवाएँ ।

● पढ़ो, समझो और लिखो :

५. जोकर

प्रस्तुत पाठ में मुहावरों और कहावतों के द्‌वारा अपनी बात को कम-से-कम शब्दों में व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया गया है ।

अध्ययन कौशल

✲ किन्हीं पाँच मुहावरों / कहावतों के सांकेतिक चित्र बनाओ : जैसे-

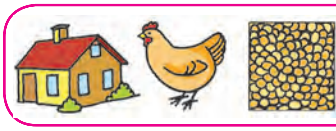 = घर की मुर्गी दाल बराबर। = नौ दो ग्यारह होना।

१. जोकर अपनी **जान पर खेलकर** कलाबाजियाँ दिखाता है ।

२. जोकर झूठ-मूठ का **ठहाका लगाकर** लोगों को हँसाता है ।

३. उचित प्रतिसाद न मिलने पर जोकर **मन मसोसकर रह गया ।**

४. खेल समाप्त होने पर कुछ बच्चों द्‌वारा जोकर को धन्यवाद कहने पर वह **फूला नहीं समाया ।**

५. एक बच्चे को अपनी नकल करते देखकर जोकर **दंग रह गया।**

६. जोकर शोर मचाने वाले बच्चों को **आँखें दिखा रहा था ।**

७. मौका मिलने पर जोकर कलाकारों के करतबों का श्रेय लेता है अर्थात **गंगा गए गंगादास, जमना गए जमनादास ।**

८. गाना तो आता नहीं और जोकर कहता है गला खराब है यह तो ऐसा ही हुआ, **नाच न जाने, आँगन टेढ़ा ।**

❑ पाठ में आए मुहावरों एवं कहावतों पर विद्‍यार्थियों से चर्चा करें । इनके अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कराएँ । उनसे जोकर की वेशभूषा में अभिनय कराएँ । जीवन में स्वास्थ्य की दृष्टि से हास्य की आवश्यकता समझाएँ और सदा प्रसन्न रहने के लिए कहें ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

मुहावरे

जान पर खेलना = प्राणों की परवाह न करना

ठहाका लगाना = जोर से हँसना

मन मसोसकर रह जाना = कुछ न कर पाना

फूला न समाना = अत्यधिक खुश होना

दंग रहना = आश्चर्य चकित होना

आँखें दिखाना= गुस्सा होना

कहावतें

गंगा गए गंगादास, जमना गए जमनादास = अवसरवादी

नाच न जाने, आँगन टेढ़ा = अपना दोष छिपाने के लिए औरों में कमी बताना ।

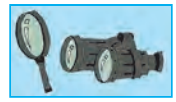

खोजबीन

निम्नलिखित शब्द को लेकर चार मुहावरे लिखो ।

१. ______________ (हाथ) २. ______________

३. ______________ ४. ______________

स्वयं अध्ययन

'अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत' पर आधारित कोई कहानी सुनाओ ।

जरा सोचो .... बताओ

यदि साइकिल तुमसे बोलने लगी तो ......

विचार मंथन

।। गागर में सागर भरना ।।

KZEAVQ

सदैव ध्यान में रखो

हमें सदैव प्रसन्न रहना चाहिए ।

हमें समझो

* मार्ग पर चलते हुए तुमने कुछ यातायात संकेत देखे होंगे । इन सांकेतिक चिह्नों के क्या अर्थ हैं, लिखो :

____

____

____

____

____

____

● पढ़ो और समझो :

६. उत्तम शिक्षा

– *महात्मा गांधी*

जन्म : २ अक्तूबर १८६९, पोरबंदर, गुजरात, **मृत्यु :** ३० जनवरी १९४८ **परिचय :** आप 'राष्ट्रपिता' की उपाधि से जाने जाते हैं । प्रस्तुत पत्र में यह बताया गया है कि शिक्षा का अर्थ मात्र अक्षर ज्ञान नहीं है, चरित्र संवर्धन एवं कर्तव्य पालन भी है ।

कार्य हमारा

* चित्र देखकर क्रियायुक्त शब्दों से वाक्य बनाओ ।

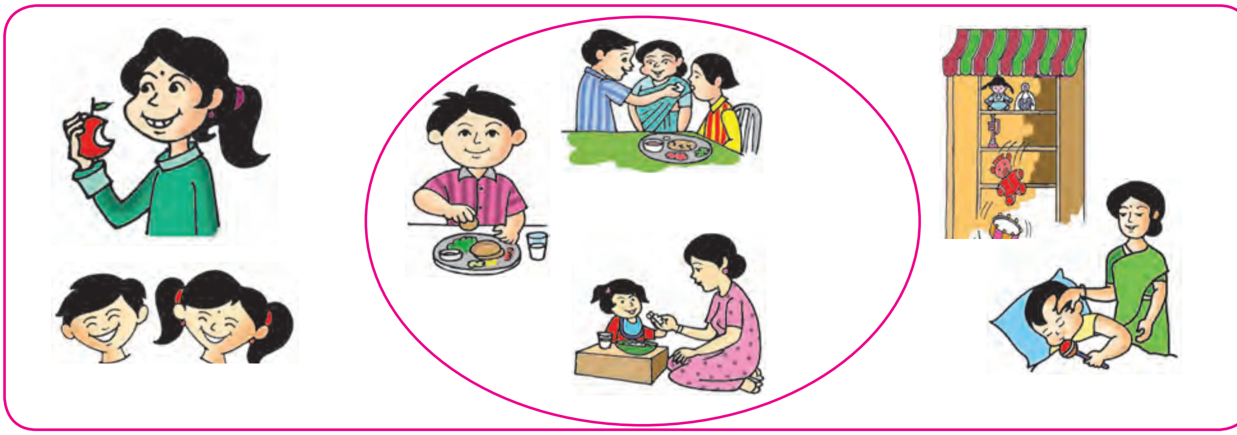

येरवडा मंदिर
८-११-३२

प्यारे मणिलाल,

शुभाशीष ।

मैंने जो परिवारिक बोझ तुम्हारे सिर पर दिया है उसका निर्वहन करने में तुम समर्थ हो । मुझे ऐसा लगता है कि तुम पूरे आनंद के साथ इसे उठा रहे हो । मैंने कारागृह में बहुत कुछ पढ़ा है । मेरा ऐसा मानना है कि शिक्षा का अर्थ मात्र अक्षरज्ञान नहीं है । शिक्षा का अर्थ है चरित्र संवर्धन एवं कर्तव्य पालन । तुम्हें आजकल उत्तम शिक्षा प्राप्त हो रही है । माँ की सेवा हो या भाभी जी की अथवा रामदास एवं देवदास का अभिभावक बनना इससे अधिक अच्छी शिक्षा कौन-सी हो सकती है ? ये कार्य तुम अच्छी तरह से करो तो आधी से भी अधिक शिक्षा पूरी करने जैसा ही है ।

❑ पत्र में आए हुए क्रिया शब्दों (लिखो, दिया है, पाल सकोगे, था, खाया, खिलाया, खिलवाया) को श्यामपट्ट पर लिखकर विद्यार्थियों से इसी प्रकार के अन्य शब्द कहलवाएँ । उन्हें क्रिया के भेद प्रयोग द्वारा समझाएँ । दृढ़ीकरण होने तक अभ्यास करवाएँ । इस अनौपचारिक पत्र के किसी एक परिच्छेद का उचित उच्चारण के साथ आदर्श वाचन करके मुखर वाचन कराएँ । नए शब्दों का श्रुतलेखन करवाएँ । उन्हें पत्र लेखन विधि की जानकारी दें और उसके प्रकारों को समझाएँ । उन्हें अन्य अनौपचारिक पत्र पढ़ने के लिए दें और पत्र लिखने के लिए प्रेरित करें ।

जरा सोचो .....लिखो

यदि भोजन से नमक गायब हो जाए तो...

बेटे को अपनी जिम्मेदारी का एहसास होना चाहिए । प्रत्येक बच्चे को सत्य, अहिंसा तथा संयम इन गुणों को अपने आचरण में लाना चाहिए । ऐसा करते समय उसे आनंद की अनुभूति होनी चाहिए । जब मैं तुमसे भी उम्र में छोटा था तब मुझे अपने पिता जी की सेवा-शुश्रूषा करते समय बहुत आनंद आता था । भौतिक सुख-सुविधाओं की अपेक्षा तुम अगर इन तीन गुणों को अपने आचरण में लाओगे तो मेरी दृष्टि से तुम्हारी शिक्षा पूरी हुई है । इन त्रिगुणों के बलबूते तुम दुनिया में कहीं भी अपना पेट पाल सकोगे ।

जो शिक्षा प्राप्त करनी है वह दूसरों के काम आए । अपनी शिक्षा में गणित और संस्कृत की ओर अधिक ध्यान दो । तुम्हें संस्कृत की बहुत आवश्यकता है । आगे चलकर इन दो विषयों की पढ़ाई करना कठिन हो जाता है । संगीत के प्रति लापरवाही मत बरतो । हिंदी भाषा के गीतों को एक कॉपी में सुंदर-सुडौल अक्षरों में लिखो । यह संग्रह वर्ष के अंत में बहुत लाभदायी, मूल्यवान होगा ।

बापू के आशीर्वाद

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

निर्वहन = निर्वाह
अभिभावक = पालक
लापरवाही = असावधानी
बलबूते = सामर्थ्य

मुहावरा

पेट पालना = भरण-पोषण करना

अध्ययन कौशल

पढ़ाई का नियोजन करते हुए अपनी दिनचर्या लिखो ।

सदैव ध्यान में रखो

नवयुवकों की शक्ति देशहित में लगनी चाहिए ।

सुनो तो जरा

दूरदर्शन और रेडियो के कार्यक्रम सुनो और सुनाओ ।

बताओ तो सही

संतुलित आहार पर पाँच वाक्य बोलो ।

वाचन जगत से

साने गुरुजी द्‌वारा लिखा कोई एक पत्र पढ़ो और चर्चा करो ।

मेरी कलम से

अपने मित्र को शुभकामना/बधाई पत्र लिखो ।

✲ एक वाक्य में उत्तर लिखो ।

१. मणिलाल के सिर पर कौन-सा बोझ था ?
२. बापू कारागृह में क्या पढ़ रहे थे ?
३. प्रत्येक बच्चे को किन-किन गुणों को आचरण में लाना चाहिए ?
४. मणिलाल को किस विषय के गीतों को कॉपी में लिखने के लिए कहा गया है ?

स्वयं अध्ययन

डाक टिकटों का संकलन करके प्रदर्शनी का आयोजन करो ।

खोजबीन

खादी का कपड़ा कैसे बनाया जाता है इसकी जानकारी प्राप्त करके लिखो ।

विचार मंथन

।। स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन । योगासन है, उत्तम साधन ।।

KZN6XD

✲ नीचे दिए गए नोबल पुरस्कार प्राप्त विभूतियों के चित्र चिपकाओ । उन्हें यह पुरस्कार किसलिए प्राप्त हुआ है, बताओ ।

१. गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर	२. सर चंद्रशेखर वेंकटरमन	३. डॉ. हरगोबिंद खुराना	४. मदर टेरेसा
५. सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर	६. अमर्त्यकुमार सेन	७. वेंकटरमन रामकृष्णन	८. कैलास सत्यार्थी

● **पढ़ो, समझो और गाओ :**

७. करना है निर्माण

– गौकरन वर्मा

रचनाएँ : उठो साथियो कदम मिलाकर, करने दूर अंधेरा, **परिचय :** एक सफल क्रांती गीत के निर्माता के रूप में प्रसिद्ध ।
प्रस्तुत कविता में भारत की महिमा एवं उसकी सुंदरता को बताया गया है ।

✻ चित्र के आधार पर काल संबंधी वाक्य बनाओ और समझो :

कल ⟵ आज ⟶ कल

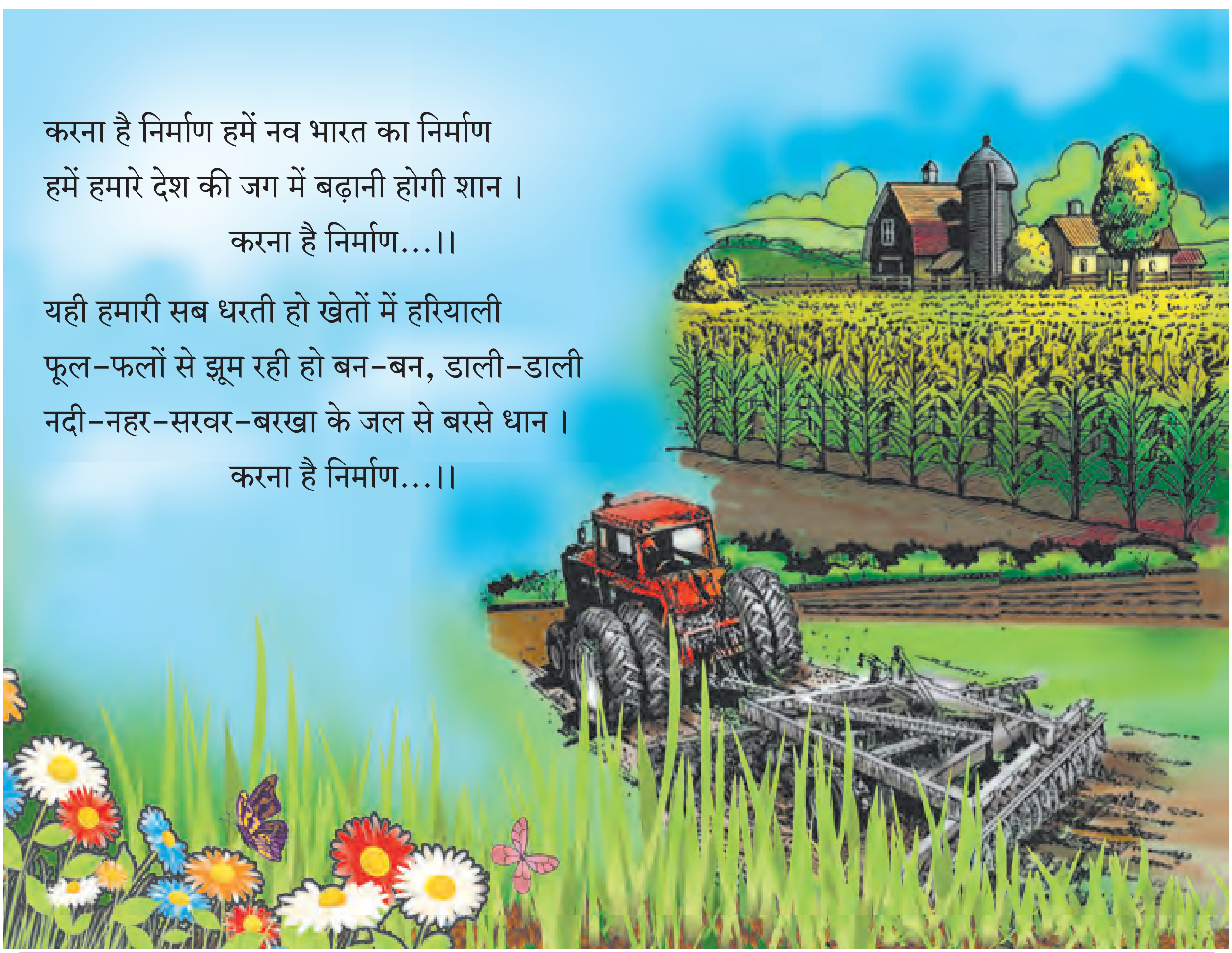

करना है निर्माण हमें नव भारत का निर्माण
हमें हमारे देश की जग में बढ़ानी होगी शान ।
करना है निर्माण...।।

यही हमारी सब धरती हो खेतों में हरियाली
फूल-फलों से झूम रही हो बन-बन, डाली-डाली
नदी-नहर-सरवर-बरखा के जल से बरसे धान ।
करना है निर्माण...।।

❑ कविता में आए काल (करना है, बढ़ानी होगी) समझाएँ । काल के भेदों सहित अन्य वाक्य कहलवाएँ और दृढ़ीकरण करवाएँ । विद्यार्थियों से कविता को हाव-भाव के साथ सामूहिक गवाएँ । भावार्थ समझाकर अर्थ पूछें । उनमें देशप्रेम की भावना जगाएँ ।

जरा सोचो ..... बताओ

यदि हिमालय की बर्फ पिघलनी बंद हो जाए तो .....

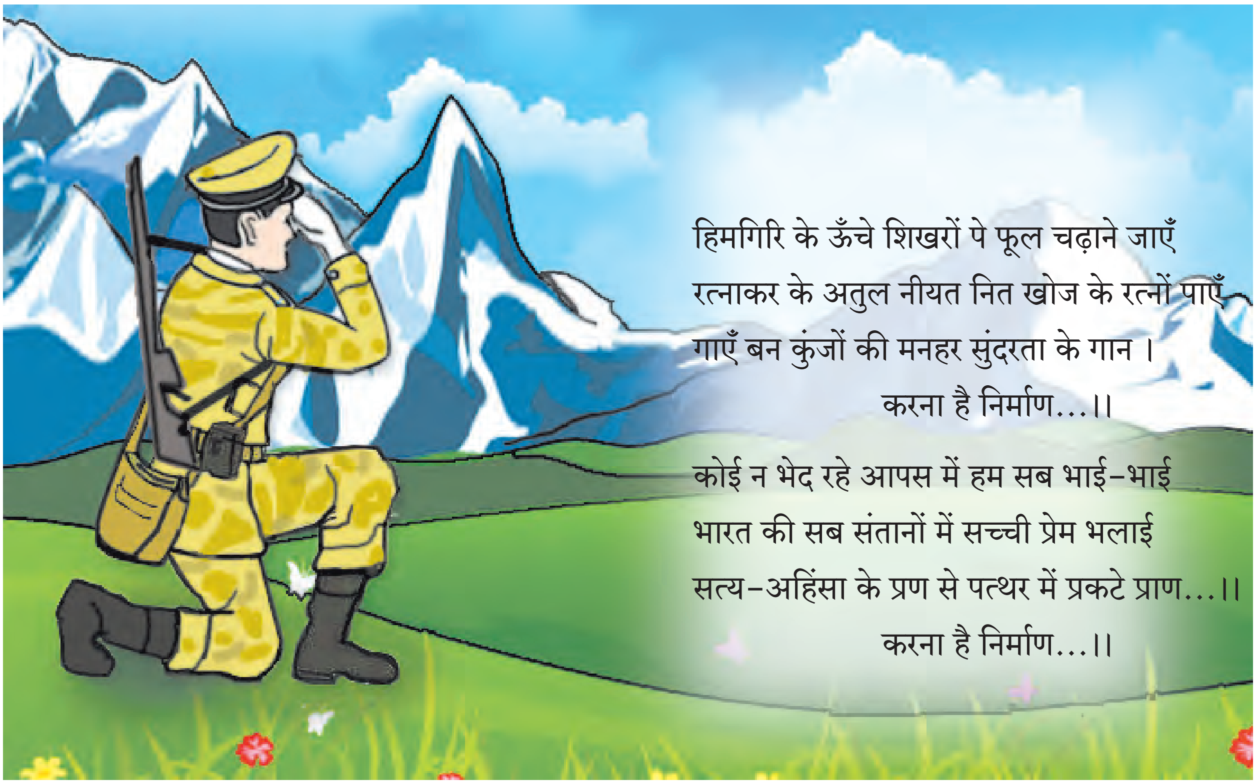

हिमगिरि के ऊँचे शिखरों पे फूल चढ़ाने जाएँ
रत्नाकर के अतुल नीयत नित खोज के रत्नों पाएँ
गाएँ बन कुंजों की मनहर सुंदरता के गान ।
करना है निर्माण...।।

कोई न भेद रहे आपस में हम सब भाई-भाई
भारत की सब संतानों में सच्ची प्रेम भलाई
सत्य-अहिंसा के प्रण से पत्थर में प्रकटे प्राण...।।
करना है निर्माण...।।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

नव = नया
सरवर = तालाब
हिमगिरि = हिमालय
रत्नाकर = समुद्र
अतल = अथाह, बहुत गहरा
नीर = पानी
मनहर = मनोहर

खोजबीन

'परमवीर चक्र' पुरस्कार प्राप्त सैनिकों की सूची बनाओ ।
देखें (www.paramvirchakra.com)

सुनो तो जरा

देशभक्ति पर आधारित कविता सुनो और सुनाओ ।

बताओ तो सही

अपने परिवेश में शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकती है ।

वाचन जगत से

वैज्ञानिक की जीवनी पढ़ो और उसके आविष्कार लिखो ।

मेरी कलम से

क्रमानुसार भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री के नाम लिखो ।

*** इस कविता के आधार पर भारत की विविधता एवं विशेषताएँ सात-आठ वाक्यों में लिखो ।**

सदैव ध्यान में रखो

ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है ।

विचार मंथन

।। स्वतंत्रता मेरा जन्म सिद्‌ध अधिकार है ।।

स्वयं अध्ययन

* नीचे दिए गए राष्ट्रीय प्रतीकों के चित्र देखो और उनके नाम लिखो :

भाषा की ओर

निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग और प्रत्यय लगाकर लिखो ।

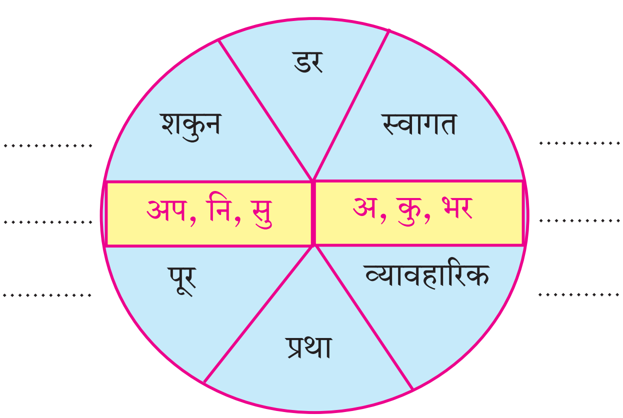

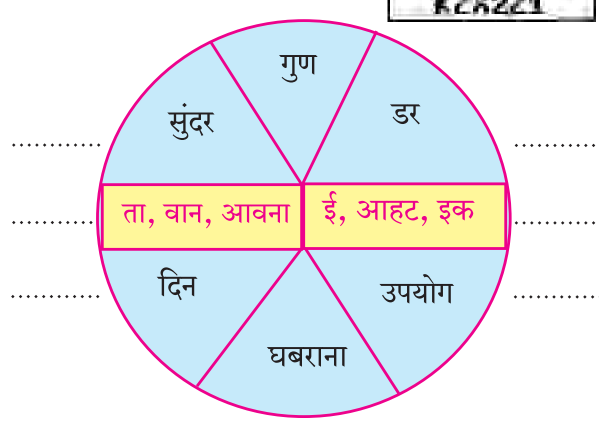

⁕ स्वयं अध्ययन-२ ⁕

⁕ चित्रवाचन करके अपने शब्दों में कहानी लिखो और उचित शीर्षक बताओ :

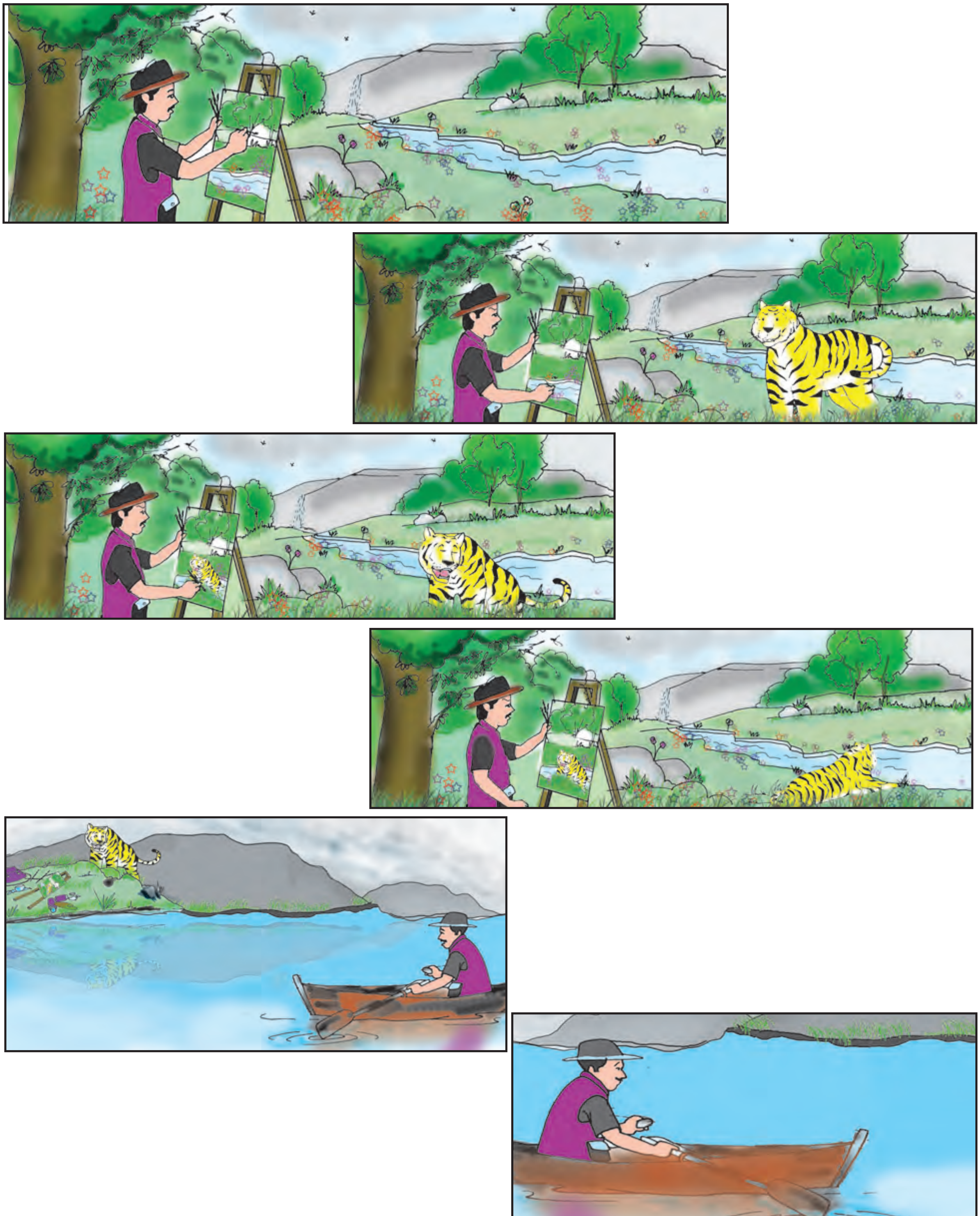

❑ विद्‌यार्थियों से ऊपर दिए गए चित्रों का क्रमानुसार निरीक्षण कराएँ । चित्र में कौन-कौन-सी घटनाएँ घटी होंगी, उन्हें सोचने के लिए कहें । उन्हें अन्य चित्रों एवं घटनाओं के आधार पर कहानी लिखने के लिए प्रेरित करें और उचित शीर्षक देने के लिए कहें ।

* पुनरावर्तन - २ *

१. शाक (पत्तोंवाली) और सब्जियों के पाँच-पाँच नाम सुनो और सुनाओ ।

२. एक महीने की दिनदर्शिका बनाओ और विशेष दिन बताओ ।

३. १ से १०० तक की संख्याओं का मुखर वाचन करो ।

४. अपना परिचय देते हुए परिवार के बारे में दस वाक्य लिखो ।

५. अक्षर समूह में से वैज्ञानिकों के उचित नाम बताओ और लिखो :

मी	भा	हो	भा			________
नी	से	ज	भि	र		________
मं	बं	जू	स	ल		________
स्क	रा	र्य	भा	चा		________
जे.	क	म	ला	ए.	पी.	________
जा	अ	न	म्म	की	ल	________
ना	व	क	ला	चा	ल्प	________

कृति/उपक्रम

अपने बारे में भाई/बहन से सुनो ।	इस वर्ष तुम कौन-सा विशेष कार्य करोगे, बताओ ।	सप्ताह में एक दिन कहानियाँ पढ़ो ।	पढ़ी हुई सामग्री की विश्लेषणात्मक प्रस्तुति करो ।

दो शब्द

यह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान को दृष्टि में रखते हुए भाषा के नवीन एवं व्यावहारिक प्रयोगों तथा विविध मनोरंजक विषयों के साथ आपके सम्मुख प्रस्तुत है । पाठ्यपुस्तक को स्तरीय (ग्रेडेड) बनाने हेतु दो भागों में विभाजित करते हुए उसका 'सरल से कठिन की ओर' क्रम रखा गया है। यहाँ विद्यार्थियों के पूर्व अनुभव, घर-परिवार, परिसर को आधार बनाकर श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन, लेखन के भाषाई मूल कौशलों के साथ भाषा अध्ययन और अध्ययन कौशल पर विशेष बल दिया गया है । इसमें स्वयं अध्ययन एवं चर्चा को प्रेरित करने वाली रंजक, आकर्षक, सहज और सरल भाषा का प्रयोग किया गया है ।

पाठ्यपुस्तक में आए शब्दों और वाक्यों की रचना हिंदी की व्यावहारिकता को ध्यान में रखकर की गई है । इसमें क्रमिक एवं श्रेणीबद्ध कौशलाधिष्ठित अध्ययन सामग्री, अध्यापन संकेत, अभ्यास और उपक्रम भी दिए गए हैं । विद्यार्थियों के लिए लयात्मक कविता, बालगीत, कहानी, संवाद, पत्र आदि विषयों का समावेश हैं । स्वयं की अभिव्यक्ति, कल्पनाशीलता के साथ-साथ वैविध्यपूर्ण स्वाध्याय के रूप में 'जरा सोचो...., 'खोजबीन', 'मैंने समझा', 'अध्ययन कौशल' आदि कार्यात्मक कृतियाँ भी दी गई हैं । सृजनशील गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले अभ्यास 'मेरी कलम से', 'वाचन जगत से', 'बताओ तो सही', 'सुनो तो जरा', 'स्वयं अध्ययन' तथा 'विचार मंथन' आदि का समावेश किया गया है । इन कृतियों में एक दृष्टिकोण रखने का प्रयास किया है जिसे समझकर विद्यार्थियों तक पहुँचाना और उनसे करवाना है ।

शिक्षकों एवं अभिभावकों से यह अपेक्षा है कि अध्ययन-अनुभव देने से पहले पाठ्यपुस्तक में दिए गए अध्यापन संकेत एवं दिशा निर्देशों को अच्छी तरह समझ लें । सभी कृतियों का विद्यार्थियों से अभ्यास करवाएँ । स्वाध्याय में दिए गए निर्देशों के अनुसार पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराते हुए उचित मार्गदर्शन करें तथा आवश्यक गतिविधियाँ स्वयं करवाएँ । व्याकरण (भाषा अध्ययन) को समझने हेतु 'भाषा की ओर'के अंतर्गत चित्रों तथा भाषाई खेलों को दिया गया है ताकि पुनरावर्तन और नए व्याकरण का ज्ञान हो । पारंपरिक पद्धति से व्याकरण पढ़ाना अपेक्षित नहीं है ।

आवश्यकतानुसार पाठ्येतर कृतियों, खेलों, संदर्भों, प्रसंगों का समावेश करें । शिक्षक एवं अभिभावक पाठ्यपुस्तक के माध्यम से जीवन मूल्यों, जीवन कौशलों, मूलभूत तत्वों के विकास का अवसर विद्यार्थियों को प्रदान करें । पाठ्यसामग्री का मूल्यांकन निरंतर होने वाली प्रक्रिया है इससे विद्यार्थी परीक्षा के तनाव से मुक्त रहेंगे । पाठ्यपुस्तक में अंतर्निहित सभी क्षमताओं-श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन, लेखन, भाषा अध्ययन (व्याकरण) और अध्ययन कौशल का सतत मूल्यांकन अपेक्षित है ।

विश्वास है कि आप सब अध्ययन-अध्यापन में पाठ्यपुस्तक का उपयोग कुशलतापूर्वक करेंगे और हिंदी विषय के प्रति विद्यार्थियों में अभिरुचि और आत्मीयता की भावना जागृत करते हुए उनके सर्वांगीण विकास में सहयोग देंगे ।

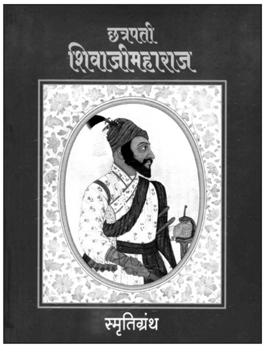

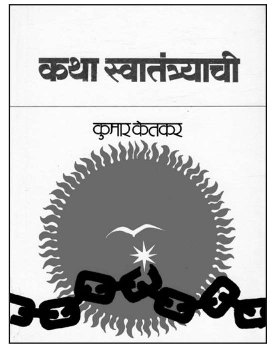

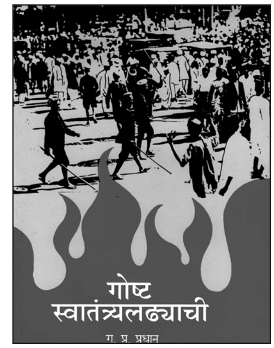

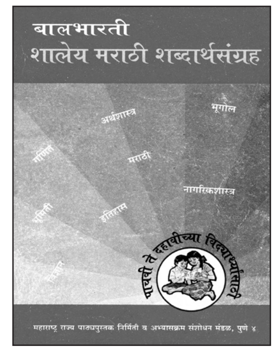

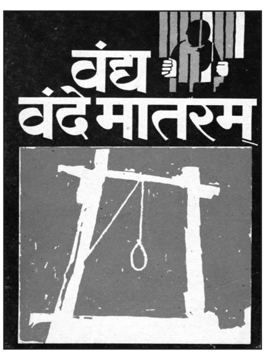

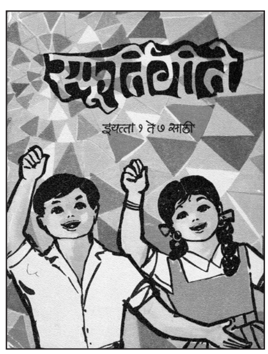

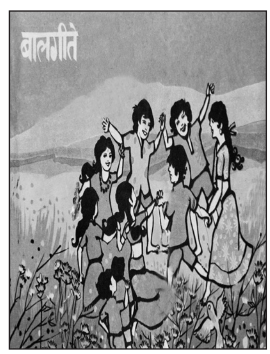

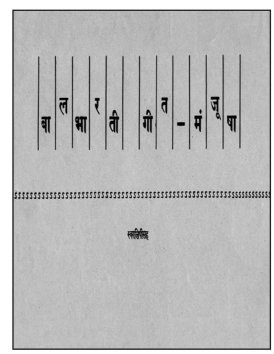

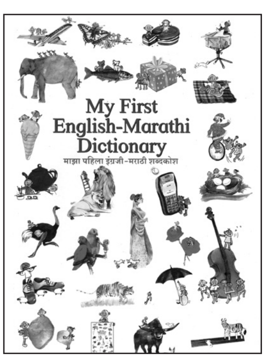

- पाठ्यपुस्तक मंडळाची वैशिष्ट्यपूर्ण पाठ्येत्तर प्रकाशने.
- नामवंत लेखक, कवी, विचारवंत यांच्या साहित्याचा समावेश.
- शालेय स्तरावर पूरक वाचनासाठी उपयुक्त.

पुस्तक मागणीसाठी www.ebalbharati.in, www.balbharati.in संकेत स्थळावर भेट द्या.

साहित्य पाठ्यपुस्तक मंडळाच्या विभागीय भांडारांमध्ये विक्रीसाठी उपलब्ध आहे.

ebalbharati

विभागीय भांडारे संपर्क क्रमांक : पुणे - ☎ २५६५९४६५, कोल्हापूर- ☎ २४६८५७६, मुंबई (गोरेगाव) - ☎ २८७७१८४२, पनवेल - ☎ २७४६२६४६५, नाशिक - ☎ २३९१५११, औरंगाबाद - ☎ २३३२१७१, नागपूर - ☎ २५४७७१६/२५२३०७८, लातूर - ☎ २२०९३०, अमरावती - ☎ २५३०९६५

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

हिंदी सुगमभारती इ. ६ वी

₹ २७.००